हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शनिवार, 13 सितंबर 2025 | अंक 329/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

● डॉ. श्री बालाजी तांबे (संतूलन आयुर्वेदिक)
● श्री स्वागत तोडकर ● तन्वी हर्बल क्लिनिक
इनकी दवाईयाँ उपलब्ध तथा Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

----- विशेष उपचार -----
वात, जोडों का दर्द, सुजन, लखवा, नसों में अकडन, हड्डीयों मे (Fluid Liquid) कम हो जाना, डायबिटीज से परेशान, B.P. (Heart) , पेट कि समस्या, पाईल्स, बालों की समस्या, समस्त स्त्री रोग, आदि सभी जटील रोगों पर विशेष उपचार।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.
फोन 9112079000 / 8605245080
सभी प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक कम्पनियो की दवाईयाँ तथा सभी प्रकारकी काष्ट औषधिया, दिव्य वनौषधी, जडीबुटीयाँ तथा उनके पावडर मिलने का विश्वषनिय स्थान।

सुशीला नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त

> भारत से है पुराना नाता

काठमांडू.

नेपाल की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश रहीं सुशीला कार्की अब नेपाल की पहली अंतरिम महिला प्रधानमंत्री बनेंगी. राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त किया है. कई दिनों तक 'जेन ज़ी' प्रदर्शनकारियों, नेताओं, राष्ट्रपति पौडेल और अन्य कानूनी विशेषज्ञों के साथ हुई चर्चाओं के बाद आख़िरकार शुक्रवार देर शाम सुशीला कार्की के नाम पर सहमति बनी. सुशीला कार्की केपी शर्मा ओली की जगह लेंगी. जिन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों और सोशल मीडिया बैन के ख़िलाफ़ युवाओं के भारी विरोध के बीच मंगलवार को इस्तीफ़ा दे दिया था. पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन और उससे जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में अब तक 51 लोगों की जान जा चुकी है. सुशीला कार्की को ईमानदार छवि वाले नेता के रूप में जाना जाता है.

उन्हें अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए युवा प्रदर्शनकारियों के एक वर्ग का समर्थन प्राप्त था. 'जेन ज़ी' आंदोलन में युवाओं के बीच मशहूर लोकप्रिय रैपर और काठमांडू के मेयर बालेन शाह ने भी सुशीला कार्की के नाम का समर्थन किया था. उन्होंने अपने एक एक्स पोस्ट में लिखा, "अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए आप लोगों ने (युवाओं ने) जो नाम दिया है, पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का, उसे मैं पूरा समर्थन देता हूँ." सुशीला कार्की ने इस बारे में भारतीय टीवी चैनल सीएनएन-न्यूज़ 18 से बात करते हुए कहा था, "उन्होंने (युवाओं ने) मुझसे अनुरोध किया और मैंने स्वीकार किया."

कार्की ने कहा कि युवाओं का विश्वास उन पर है और वे चाहते हैं कि चुनाव कराए जाएँ और देश को अराजकता से निकाला जाए. सुशीला कार्की ने कई बातें कही थीं. इंटरव्यू की शुरुआत में उनसे नेपाल की मौजूदा स्थिति पर नज़रिया पूछा गया. इस पर उन्होंने कहा, "जेन ज़ी समूह ने नेपाल में आंदोलन शुरू किया. उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें मुझ पर विश्वास है और मैं एक छोटे समय के लिए सरकार चला सकती हूँ, ताकि चुनाव कराए जा सकें. उन्होंने मुझसे अनुरोध किया और मैंने स्वीकार किया." कार्की ने कहा, "मेरा पहला ध्यान उन लड़कों और लड़कियों पर होगा, जो आंदोलन में मारे गए. हमें उनके लिए और उनके परिवारों के लिए कुछ करना होगा, जो गहरे दुख में हैं." उन्होंने स्पष्ट किया कि आंदोलन की पहली मांग प्रधानमंत्री का इस्तीफ़ा थी, जो पूरी हो गई है. अब अगली मांग देश से भ्रष्टाचार हटाने की है. उनके शब्दों में, "बाक़ी माँगें तभी पूरी हो सकती हैं, जब सरकार बनेगी."

भारत से रिश्तों पर सुशीला कार्की

भारत से जुड़ाव के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, "हाँ, मैंने बीएचयू में पढ़ाई की है. वहाँ की बहुत सी यादें हैं. मैं अपने शिक्षकों, दोस्तों को आज भी याद करती हूँ. गंगा नदी, उसके किनारे हॉस्टल और गर्मियों की रातों में छत पर बैठकर बहती गंगा को निहारना मुझे आज भी याद है." उन्होंने यह भी कहा कि वे बिराटनगर की रहने वाली हैं, जो भारत की सीमा से काफ़ी नज़दीक है. "मेरे घर से सीमा केवल लगभग 25 मील दूर है. मैं नियमित रूप से बॉर्डर मार्केट जाती थी. मैं हिंदी बोल सकती हूँ, उतनी अच्छी नहीं लेकिन बोल सकती हूँ." भारत से उम्मीदों पर उन्होंने कहा, "भारत और नेपाल के रिश्ते बहुत पुराने हैं. सरकारें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन जनता का रिश्ता बहुत गहरा है. मेरे बहुत से रिश्तेदार और परिचित भारत में हैं. अगर उन्हें कुछ होता है, तो हमें भी आँसू आते हैं. हमारे बीच गहरी आत्मीयता और प्रेम है. भारत ने हमेशा नेपाल की मदद की है. हम बेहद क़रीबी हैं. हाँ, जैसे रसोई में बर्तन एक साथ हों तो कभी-कभी आवाज़ होती है, वैसे ही छोटे-मोटे मतभेद हो सकते हैं, लेकिन रिश्ता मज़बूत है." बता दें कि सुशीला कार्की के साथ ही इस आंदोलन में काठमांडू के मेयर बालेन शाह का नाम भी सुर्ख़ियों में रहा है. बालेन शाह मई 2022 में जब पहली बार नेपाल की राजधानी काठमांडू के मेयर बने, तो यह सबके लिए चौंकाने वाला था. बालेन शाह ने नेपाली कांग्रेस की सृजना सिंह को हराया था. शाह को 61,767 वोट मिले थे और सृजना सिंह को 38,341 वोट. नेपाल में जब जेन ज़ी का आंदोलन शुरू हुआ तो सोशल मीडिया पर लोग बालेन शाह से अपील कर रहे थे कि वह मेयर के पद से इस्तीफ़ा देकर नेतृत्व करें. महज 35 साल के बालेन शाह नेपाल में जेन ज़ी के आंदोलन का समर्थन कर रहे थे लेकिन वह सड़क पर नहीं उतरे थे.

नागपुर की रूश सिंधु से मिलिए, 'मिस इंटरनेशनल इंडिया 2025' जीतकर लौटीं

नागपुर.

महाराष्ट्र के नागपुर की मॉडल रूश सिंधु ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया है. 'मिस इंटरनेशनल इंडिया 2025' का खिताब जीतने के बाद गृह नगर नागपुर पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत हुआ. रूश सिंधु शानदार उपलब्धि के बाद अब 27 नवंबर को जापान के टोक्यो में होने वाली मिस इंटरनेशनल 2025 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी.

मॉडल रूश सिंधु ने इससे पहले 'मिस यूनिवर्स इंडिया 2025' में टॉप-6 फाइनलिस्ट में जगह बनाई थी. नागपुर लौटने पर रूश सिंधु ने अपनी खुशी और भावनाएं भी व्यक्त कीं. उन्होंने कहा कि ताज पहनने के बाद यह पहली बार है जब मैं अपने परिवार से मिल रही हूं रूश सिंधु ने कहा, ''मैं भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए अविश्वसनीय रूप से उत्साहित हूं, क्योंकि मिस इंडिया का ताज पहनना और वैश्विक मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा से मेरा सपना रहा है.

अब जब यह आखिरकार हो रहा है, तो मैं खुशी से अभिभूत हूं. उन्होंने ये भी कहा कि चुनौतियां हमेशा जीवन का हिस्सा होती हैं, लेकिन मैं खुद को बेहतर तरीके से तैयार कर रही हूं. जब आप राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए आगे बढ़ते हैं, तो आपको एक ऑलराउंडर बनना होता है. रूश सिंधु ने आगे कहा कि मैं बेहद आश्वस्त महसूस कर रही हूं. यह बहुत खास है और मैं इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी और भारत सबसे मजबूत बनेगा. उन्होंने ये भी कहा कि मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना बेहद जरूरी है. सिंधु ने कहा, ''मानसिक स्वास्थ्य मेरा पसंदीदा विषय रहा है क्योंकि मैं मनोविज्ञान का छात्रा रही हूं. मैंने पांच साल तक मनोविज्ञान की स्टडी की है.'

सिक्किम में लैंडस्लाइड, 4 की मौत

> हिमाचल में बाढ़-बारिश से अब तक 380 की मौत

आगरा.

वेस्ट सिक्किम के यांगथांग के अपर रिंबी इलाके में शुक्रवार रात लैंडस्लाइड हुई। इसमें 4 लोगों की मौत हुई है। 3 लोग लापता हैं। एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें तेज धार नदी में फंसे लोगों का रेस्क्यू भी चल रहा है। यूपी के आगरा में यमुना में बाढ़ है। यहां 25 कॉलोनियां और 40 गांव में 2-5 फीट तक बाढ़ का पानी भरा है। ताजमहल के पीछे बना पार्क पूरी तरह से डूब गया। 5 हजार से ज्यादा लोग रिलीफ कैंप में हैं। हिमाचल प्रदेश में 20 जून से अब तक बारिश-बाढ़ के कारण 380 लोगों की मौत हो चुकी है, 40 लापता हैं। सबसे ज्यादा 48 मौतें लैंडस्लाइड में गईं। बादल फटने से 17 की मौत हुई है। आज 3 नेशनल हाईवे समेत 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं।

दुबई में आईआईएम अहमदाबाद का नया कैंपस शुरू

नई दिल्ली. दुबई के क्राउन प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने गुरुवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), अहमदाबाद के दुबई कैंपस का उद्घाटन किया. संयुक्त अरब अमीरात की दो दिवसीय यात्रा पर गए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इसे भारत की शिक्षा के वैश्वीकरण की दिशा में एक और बड़ी छलांग बताया. धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल साइट एक्स पर लिखा, "यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुरूप भारतीय शिक्षा के वैश्वीकरण की दिशा में एक और बड़ी छलांग है. उन्होंने कहा, "आईआईएम अहमदाबाद का दुबई परिसर भारत की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को दुनिया तक पहुंचाएगा. दुबई ने आज आईआईएम अहमदाबाद के अंतर्राष्ट्रीय परिसर की मेजबानी करके 'भारतीय भावना, वैश्विक दृष्टिकोण' के आदर्श को साकार करने के लिए एक आदर्श मंच प्रदान किया है. भारत-यूएई ज्ञान सहयोग में एक गौरवशाली योगदान देने के लिए हम हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के प्रति आभारी हैं. बुधवार को, प्रधान ने आईआईटी दिल्ली के अबू धाबी परिसर का दौरा किया.

स्पाइसजेट फ्लाइट का टायर टेकऑफ के दौरान रनवे पर गिरा

पायलट ने उड़ान जारी रखी, मुंबई एयरपोर्ट पर लैंडिंग कराई; सभी 75 यात्री सुरक्षित

मुंबई. गुजरात के कांडला से मुंबई आ रही स्पाइसजेट की फ्लाइट में बड़ा हादसा टल गया। शुक्रवार को कांडला एयरपोर्ट पर टेकऑफ के दौरान बॉम्बार्डियर के400 प्लेन का एक टायर रनवे पर गिर गया। इसके बावजूद पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए उड़ान जारी रखी। मुंबई एयरपोर्ट पर विमान की लैंडिंग से पहले फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई।

हालांकि विमान ने सुरक्षित लैंडिंग की और खुद टर्मिनल तक पहुंचा। सभी 75 यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। एयरलाइन ने घटना की पुष्टि की है। घटना की जांच शुरू कर दी गई है और तकनीकी कारणों का पता लगाया जा रहा है। मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो के ए321 प्लेन की टेल (पिछला हिस्सा) रनवे से टच हो गई। एयरलाइन ने बताया कि खराब मौसम के चलते पायलट ने लैंडिंग के बजाय गो-अराउंड (दोबारा टेकऑफ की प्रक्रिया) करने का फैसला लिया। इसी दौरान विमान की टेल रनवे से टकरा गई। इंडिगो ने बयान जारी करते हुए कहा- ए321 विमान ने कम ऊंचाई पर गो-अराउंड किया। इस दौरान टेल रनवे से छू गई।

बाद में विमान ने दूसरी कोशिश में सुरक्षित लैंडिंग की। एयरलाइन ने कहा, सभी यात्री और क्रू सुरक्षित हैं। घटना के बाद विमान की जांच और मरम्मत की जाएगी और आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद ही इसे दोबारा ऑपरेशन में शामिल किया जाएगा इधर, बेंगलुरु से ग्वालियर आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट पहली कोशिश में लैंड नहीं कर सकी। हालांकि, दूसरी कोशिश में प्लेन सुरक्षित उतर गया। इससे पहले 21 जुलाई को मुंबई एयरपोर्ट पर एअर इंडिया का एआई2744 प्लेन लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया था। ये विमान कोच्चि से मुंबई आया था। मुंबई में भारी बारिश के कारण रनवे पर फिसलन थी, जिससे विमान रनवे से 16 से 17 मीटर दूर घास पर चला गया। तस्वीरों में दिखा कि विमान के दाहिने इंजन के नैसेल (ढक्कन) को नुकसान पहुंचा है।

पटाखों पर बैन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

नई दिल्ली. प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी सामने आई है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा कि अगर एनसीआर के शहरों को स्वच्छ हवा का हक है, तो दूसरे शहरों के लोगों को क्यों नहीं? जो भी नीति होनी चाहिए, वह पैन इंडिया स्तर पर होनी चाहिए। हम सिर्फ दिल्ली के लिए नीति नहीं बना सकते, क्योंकि वहां देश का एलीट वर्ग है। मैं पिछले साल सर्दियों में अमृतसर गया था और वहां प्रदूषण दिल्ली से भी बदतर था। अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है, तो पूरे देश में प्रतिबंध लगना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पटाखों की बिक्री, भंडारण, परिवहन और निर्माण पर प्रतिबंध लगाने वाले अपने 3 अप्रैल के आदेश के खिलाफ एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कही। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ एक याचिका पर सीएक्यूएम को भी नोटिस जारी किया और दो हफ्ते के भीतर जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने यह भी कहा कि पिछले छह महीनों में इस अदालत द्वारा पारित कई आदेश दिल्ली में वायु प्रदूषण के अत्यधिक उच्च स्तर के कारण व्याप्त भयावह स्थिति को दर्शाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "स्वास्थ्य का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 का एक अनिवार्य हिस्सा है, और प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने का अधिकार भी इसका एक अभिन्न अंग है।

एक ही परिवार के 7 बच्चे दृष्टिबाधित

जयपुर. राजस्थान के उदयपुर में लीलावास गांव है. यहां एक ही परिवार के सात बच्चों की आंखों की रोशनी धीरे-धीरे खत्म हो गई. 4 साल से लेकर 20 साल तक की उम्र के ये सभी मासूम अब पूरी तरह दृष्टिहीन हो चुके हैं. जब बच्चों का जन्म हुआ तो शुरुआती दो-तीन महीनों में ही माता-पिता को लगा कि उनकी आंखों में कुछ गड़बड़ी है. लेकिन इलाज की जगह परिजन अंधविश्वास की ओर मुड़ गए. वे देवी-देवताओं के दरबार में गए, मंदिरों में चांदी की आंख चढ़ाई और चमत्कार की उम्मीद की. धीरे-धीरे हालात ऐसे हो गए कि सातों बच्चे विक्रम (4), खुशी (5), आशिक (7), पुष्कर (8), काजल (15), पायल (18) और पूजा (20) पूर्ण रूप से अंधकार में डूब गए. हाल ही में गायत्री सेवा संस्थान के प्रमुख शैलेंद्र पंड्या अपनी टीम के साथ इस गांव पहुंचे. उन्होंने परिवार को समझाया और बच्चों को उदयपुर के एमबी अस्पताल ले जाकर जांच करवाई. डॉक्टरों ने माना कि शुरुआती दिनों में यदि सही इलाज हुआ होता तो बच्चों की स्थिति आज इतनी गंभीर नहीं होती.

रक्षा सचिव बोले-ऑपरेशन सिंदूर सेना के लिए रियलिटी चेक बना

नई दिल्ली. भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने पुणे में आयोजित दक्षिणी कमान रक्षा तकनीक के सेमिनार को संबोधित करते हुए कई अहम बातें कहीं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की चर्चा करते हुए कहा कि यह ऑपरेशन एक तरह से हमारे लिए रियलिटी चेक साबित हुआ है। इसके जरिए हमें कई सबक सीखने को मिले और हमारी सेना को यह भी पता चल पाया कि आखिर हमलोग कमजोर कहां पड़ रहे हैं। इस हमले ने उन क्षेत्रों पर प्रकाश डाला जहां देश अपनी रक्षा क्षमताओं में सुधार कर सकता है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि इस ऑपरेशन ने कुछ क्षमता कमियों को उजागर किया, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, मानवरहित प्रणालियों का मुकाबला, निम्न-स्तरीय रडार और जीपीएस-निषेधित और दुर्लभ वातावरण में काम करने में सक्षम सैन्य-स्तरीय ड्रोन के निर्माण के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र की आवश्यकता शामिल है। राजेश कुमार सिंह ने कहा कि हाल में दुनिया के अन्य देशो में जिस तरह से युद्ध छिड़ा है और ये देश फिर से रक्षा और सैन्य शक्ति पर बहुत ध्यान दे रहे हैं। हमारे पड़ोस को देखते हुए, भारत कोई अपवाद नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रियलिटी चेक भी सामने आई। हम कहां बेहतर कर सकते हैं, हमें भविष्य के युद्धों की बदलती जरूरतों के अनुसार कहां ढलना होगा, इन सब मुद्दों पर हमें बहुत अधिक ध्यान देने की जरूरत है। जरूरत है। सेना की क्षमता में सुधार को लेकर पूछे जाने पर रक्षा सचिव ने कहा कि सशस्त्र बलों को तत्काल आवश्यक उपकरण जल्दी हासिल करने के लिए आपातकालीन खरीद नियमों के माध्यम से लचीलापन दिया गया है। दीर्घकालिक के लिए, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के सहयोग से स्वदेशी उपकरण विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

ऑरेंज सिटी को मिला नया भव्य फ्लाईओवर

नागपुर.

नागपुरवासियों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक और यादगार बन गया। लंबे समय से अमरावती रोड पर लगने वाले भीषण ट्रैफिक जाम की समस्या से शहरवासियों को मुक्ति मिल गई है। शुक्रवार को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों 2.85 किलोमीटर लंबे भव्य फ्लाईओवर का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शहर को मिली नई पहचान: यह फ्लाईओवर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 53 पर बनाया गया है। पेट्रोल पंप चौक से लेकर नागपुर शहर के भीतरी हिस्सों तक अब यातायात सुगमता से हो सकेगा। जहां पहले घंटों लंबा जाम आम बात थी, वहीं अब इस पुल के माध्यम से वाहनचालक मिनटों में अपना सफर पूरा कर पाएंगे। ट्रैफिक का दबाव कम होने से न केवल यात्रियों का समय बचेगा बल्कि प्रदूषण पर भी रोक लगेगी।

सौंदर्य और सुविधा का संगम: यह फ्लाईओवर केवल आवागमन का साधन नहीं बल्कि नागपुर की खूबसूरती में नई चमक जोड़ने वाला है। आधुनिक तकनीक से निर्मित इस पुल को आकर्षक डिजाइन दिया गया है। रात में रोशनी के बीच इसकी चमक नागपुर की पहचान को और भव्य बनाएगी। शहर के विकास की दिशा में इसे एक अहम पड़ाव माना जा रहा है।

डॉ. श्रीकांत जिचकार के नाम से जुड़ा गौरव: नागरिकों के लिए सबसे गर्व की बात यह है कि इस फ्लाईओवर को ज्ञानयोगी डॉ. श्रीकांत जिचकार का नाम दिया गया है। डॉ. जिचकार न केवल नागपुर बल्कि पूरे देश में अपनी विद्वत्ता और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाते थे। शिक्षा, राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए इस फ्लाईओवर का नाम उनके नाम पर रखा गया। नागपुर के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में यह नामकरण शहर के गौरव को और बढ़ाता है।

नेताओं ने जताई खुशी: लोकार्पण समारोह में नितिन गडकरी ने कहा कि नागपुर को विश्वस्तरीय सड़क और यातायात सुविधा उपलब्ध कराना उनका संकल्प है। यह फ्लाईओवर उसी दिशा में एक कदम है। वहीं, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस परियोजना से नागपुर का यातायात तंत्र और भी मजबूत होगा तथा नागरिकों को रोजमर्रा की परेशानी से राहत मिलेगी।

नागरिकों में हर्षोल्लास: नए फ्लाईओवर को लेकर शहरवासियों में भारी उत्साह देखा गया। स्थानीय निवासियों ने बताया कि अब उन्हें दफ्तर, स्कूल और बाजार तक पहुँचने में घंटों का समय बर्बाद नहीं करना पड़ेगा। सोशल मीडिया पर भी नागरिक इस फ्लाईओवर की तस्वीरें और वीडियो साझा कर रहे हैं तथा सरकार और प्रशासन की सराहना कर रहे हैं।

ट्रैफिक जाम से मिलेगी राहत

विकास यात्रा में नया पड़ाव: नागपुर शहर तेजी से स्मार्ट सिटी की ओर बढ़ रहा है। मेट्रो रेल, इनर रिंग रोड और अब इस नए फ्लाईओवर के जरिए नागपुर को आधुनिक बुनियादी ढाँचे से सुसज्जित किया जा रहा है। यह फ्लाईओवर न केवल यातायात व्यवस्था को सुचारु करेगा बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी गति प्रदान करेगा। व्यवसायियों और व्यापारिक संगठनों ने भी इस परियोजना का स्वागत किया है।

नागपुर के नागरिकों के लिए यह फ्लाईओवर केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि उम्मीदों और सपनों की डोर है। यह सुविधा उन्हें न केवल सुविधा और सुरक्षा देगी बल्कि शहर की बढ़ती हुई पहचान में एक स्वर्णिम अध्याय भी जोड़ेगी। नागपुर के आधुनिक विकास की यात्रा में 2.85 किलोमीटर लंबा यह भव्य फ्लाईओवर अब एक नई पहचान बनकर खड़ा हो गया है।

दिल्ली-बॉम्बे हाईकोर्ट में बम की धमकी झूठी निकली

नई दिल्ली. दिल्ली और बॉम्बे हाईकोर्ट को शुक्रवार को बम की धमकी मिली। पहले दिल्ली है कोर्ट को भेजे ईमेल में कोर्ट रूम में 3 बम रखे होने की जानकारी दी गई। इसमें दोपहर 2 बजे तक कोर्ट कैंपस खाली करने को कहा गया। इसके बाद पुलिस ने कोर्ट को खाली कराया। बम स्क्वॉड ने तलाशी ली, लेकिन बम की धमकी झूठी निकली। इसी बीच बम की धमकी वाला मेल बॉम्बे हाईकोर्ट को मिला।

इसके बाद कोर्ट खाली करा लिया गया। यहां जांच में कुछ नहीं मिला। दोनों जगह करीब 2 से घंटे तलाशी ली गई। दिल्ली-मुंबई के अलावा बिहार में भी आज बम ब्लास्ट की धमकी दी गई। यहां 11 सितंबर को बम की धमकी का मेल भेजा गया था। इसमें कहा गया था कि शुक्रवार को पब्लिक प्लेसों पर पर बम ब्लॉस्ट किए जाएंगे। इसको लेकर पूरे राज्य में अलर्ट जारी किया गया है।

दुनिया को मिठास देगा भारत

> ग्लोबल योगदान की झलक

नई दिल्ली.

दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक भारत 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले नई फसल सीजन में पर्याप्त अतिरिक्त चीनी स्टॉक रखेगा, जिससे निर्यात की अनुमति मिल सकेगी. यह जानकारी शुक्रवार को एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने दी.

भारत से चीनी का निर्यात वैश्विक कीमतों पर दबाव डाल सकता है, लेकिन इससे भारत सरकार को घरेलू चीनी कीमतों को सहारा देने और गन्ना किसानों को उनकी फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य दिलाने में मदद मिलेगी.

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के संयुक्त सचिव अश्विनी श्रीवास्तव ने एक वैश्विक सम्मेलन में कहा कि नए सीजन में चीनी निर्यात की संभावना रहेगी.

चीनी स्टॉक बढ़ेगा

भारतीय शुगर एंड बायो-एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने गुरुवार को अनुमान जताया कि 2025/26 के मार्केटिंग ईयर (1 अक्टूबर से शुरू) में उत्पादन बढ़कर 3.49 करोड़ मीट्रिक टन तक पहुंच सकता है. देश की चीनी खपत नए सीजन में बढ़कर 2.85 से 2.9 करोड़ मीट्रिक टन रहने का अनुमान है, जो इस साल के 2.8 करोड़ मीट्रिक टन से ज्यादा है. भारत नए मार्केटिंग ईयर की शुरुआत 50 लाख मीट्रिक टन के शुरुआती स्टॉक के साथ करेगा, जो इस साल की शुरुआत में मौजूद 80 लाख मीट्रिक टन से कम है.

हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि निर्यात के लिए कितनी मात्रा उपलब्ध हो सकती है. भारत ने मौजूदा विपणन वर्ष (जो सितंबर में खत्म हो रहा है) में उत्पादन घटने के बावजूद 10 लाख मीट्रिक टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी थी.

श्रीवास्तव ने कहा कि अगले सीजन का उत्पादन अच्छा दिख रहा है और घरेलू खपत व एथनॉल उत्पादन की जरूरतें पूरी करने के बाद भी निर्यात के लिए पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध रहेगा. उन्होंने बताया कि नए सीजन में गन्ने से करीब 4.8 अरब लीटर एथनॉल बनने का अनुमान है, जो अब तक का रिकॉर्ड होगा.

सॅमसंग टीव्ही प्लस पर ईटीवी नेटवर्क के चार नए चैनल्स शामिल

मुंबई/नागपुर.

सॅमसंग टीव्ही प्लस ने भारत में अपने फ्री अड-सपोर्टेड स्ट्रीमिंग टीव्ही (एफएसटी) सर्विस में ईनाडू टेलिविजन (इटीवी नेटवर्क) के चार नए चैनल्स जोड़ने की घोषणा की है।

शामिल किए गए चैनल:ईटीवी न्यूज, ईटीवी जोश, ईटीवी म्युझिक, ईटीवी कॉमेडी इन चैनलों के जुड़ने से सॅमसंग टीव्ही प्लस के कंटेंट कैटलॉग में अब 150 से अधिक फ्री चैनल्स हो गए हैं। इससे भारतीय दर्शकों को तेलुगु मनोरंजन और विविध कंटेंट का अनुभव अब मुफ्त में और भी बेहतर मिलेगा। कुणाल मेहता, साउथईस्ट एशिया व भारत के बिजनेस डेवलपमेंट जनरल मैनेजर, ने कहा: हमारा उद्देश्य दर्शकों और विज्ञापनदाताओं को एक प्रीमियम एक्सपीरियंस देना है। ईटीवी के नए चैनलों के साथ अब हम दक्षिण भारत में अपनी पहुंच और मजबूत कर पाएंगे। ईटीवी नेटवर्क का बयान: के. बापिनीडु, सीईओ – ईनाडू टेलिविजन प्रा. लि. ने कहा: हम हमेशा से हर उम्र के दर्शकों को उच्च गुणवत्ता वाला और विविध मनोरंजन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कनेक्टेड टीवी की बढ़ती मांग को देखते हुए, सॅमसंग टीव्ही प्लस पर हमारे चैनलों की उपस्थिति एक बड़ा कदम है।

अगस्त में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 2.07% पर पहुंची

नई दिल्ली.

खुदरा महंगाई में अगस्त महीने के दौरान हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शुक्रवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2025 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 2.07% हो गई, जो जुलाई में 1.61% थी। इस बढ़ोतरी के पीछे मुख्य रूप से खाद्य और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में आई तेजी को कारण माना जा रहा है। हालांकि महंगाई दर अब भी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संतोषजनक दायरे (2-6%) के भीतर बनी हुई है।

भारत की खुदरा मुद्रास्फीति जुलाई में आठ साल के निचले स्तर पर पहुंच गई थी। बावजूद, खाद्य पदार्थों और मुख्य वस्तुओं की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी की वजह से, अगस्त में भारत की खुदरा मुद्रास्फीति में तेजी देखी गई।

अगस्त 2025 में खुदरा महंगाई दर भले ही मामूली रूप से बढ़कर 2.07% हो गई हो, लेकिन प्रमुख उपभोक्ता श्रेणियों में महंगाई में राहत देखने को मिली है। आवास क्षेत्र में महंगाई दर जुलाई के 3.17% से घटकर अगस्त में 3.09% पर आ गई। शिक्षा क्षेत्र की महंगाई दर 4.11% से घटकर 3.60% दर्ज की गई।

स्वास्थ्य सेवाओं में भी मामूली राहत मिली, जहाँ दर 4.57% से घटकर 4.40% हो गई। परिवहन और संचार क्षेत्र की महंगाई दर 2.12% से घटकर 1.94% रही।

वहीं, ईंधन और प्रकाश श्रेणी की मुद्रास्फीति दर जुलाई के 2.67% से घटकर 2.43% दर्ज की गई।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह गिरावट कुछ आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में स्थिरता या हल्की गिरावट के कारण आई है। हालांकि, आगे आने वाले महीनों में मौसम, आपूर्ति शृंखला और वैश्विक परिस्थितियों का प्रभाव महंगाई पर पड़ सकता है।

आज की इस बढ़ोतरी के बावजूद, मुद्रास्फीति लगातार चौथे महीने 3 प्रतिशत से नीचे रही, जो जुलाई में आठ साल के निचले स्तर 1.61 प्रतिशत से बढ़कर 3 प्रतिशत से नीचे रही।

अर्थशास्त्रियों का संकेत है कि यह आंकडा आरबीआई को अक्टूबर की नीति घोषणा में एक और ब्याज दर कटौती करने से नहीं रोकेगा।

अंबुजा सीमेंट्स की स्किलिंग पहल

मुंबई.

विविध अडानी पोर्टफोलियो की सीमेंट और बिल्डिंग मटेरियल कंपनी, अंबुजा सीमेंट्स अपनी सीएसआर पहल के हिस्से के रूप में दहेगांव गोवारी सहित नागपुर और चंद्रपुर जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए परिवर्तनकारी आजीविका के अवसर पैदा कर रही है। स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट में विशेष पाठ्यक्रमों के माध्यम से, महिलाओं को मैनुअल मेटल आर्क वेल्डिंग में प्रशिक्षित किया जा रहा है, यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें पारंपरिक रूप से पुरुषों का वर्चस्व रहा है। तकनीकी जानकारी और उद्यमशीलता मार्गदर्शन से लैस, ये महिलाएं अब स्थानीय फैब्रिकेशन इकाइयां स्थापित कर रही हैं और एक स्थायी आय अर्जित कर रही हैं। ऐसी ही एक सफलता की कहानी चंद्रपुर जिले के गड़चांदुर की फराना शेख की है। उन्होंने व्यक्तिगत और वित्तीय कठिनाइयों को पार करके सेडी, उप्परवाही में एमएमएडब्ल्यू वेल्डिंग कोर्स पूरा किया। आज, वह स्थानीय स्तर पर अपना खुद का स्टील फैब्रिकेशन का काम चलाती हैं, प्रति माह 15,000 रूपये कमाती हैं और अपनी बेटी की शिक्षा का खर्च उठाती हैं। फराना की यात्रा दर्शाती है कि कौशल-निर्माण कैसे ग्रामीण महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता और सम्मान को बढ़ावा देता है।

यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं में महिलाओं की भूमिका को फिर से परिभाषित कर रही है। पारंपरिक आजीविका से आगे बढ़कर, अंबुजा सीमेंट्स महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने, उनके परिवारों का भरण-पोषण करने और रूढ़िवादिता को चुनौती देने में मदद कर रहा है।

यूटीआई फ्लैक्सी कैप फंड, एक ऐसा फ्लैक्सी कैप पोर्टफोलियो जो देता है बिजनेस

नई दिल्ली.

सस्टेनेबिलिटी पर जोर, 1992 से शानदार परफ़ोर्मेंस का रिकॉर्ड, संपत्ति निर्माण में अग्रणी यथार्थवादी वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करना किसी भी निवेशक के लिए सफल निवेश की दिशा में पहला कदम है। इसके साथ ही आपको अपना लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करने वाले निवेश अवसरों को समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ऐसा निवेश विकल्प खोजना जो लगातार लाभ दे सके, जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही जरूरी यह समझना भी है कि उस निवेश से जुड़े जोखिम क्या हैं—ताकि लंबी अवधि में बेहतर परिणाम मिल सकें। म्यूचुअल फंड एक ऐसा विकल्प है जिसे निवेशक अपने छोटे से लेकर दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए चुन सकते हैं। इनमें विभिन्न एसेट क्लास से जुड़े कई प्रकार के उत्पाद उपलब्ध होते हैं। यहाँ म्यूचुअल फंड की एक ऐसी श्रेणी का ज़िक्र किया गया है, जिसे निवेशक दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण के उद्देश्य से चुन सकते हैं।

फंड की निवेश रणनीति का तीसरा और अंतिम स्तंभ है 'मूल्यांकन'। किसी श्रेष्ठ व्यवसाय में निवेश की शुरुआत के लिए मूल्यांकन एक अत्यंत महत्वपूर्ण संकेतक होता है, इसलिए किसी स्टॉक में प्रवेश करने से पहले इसका गहराई से विश्लेषण करना आवश्यक है। हालाँकि प्राइस टू अर्निंग्स (पि/इ) मल्टीपल किसी व्यवसाय के मूल्यांकन को समझने के लिए एक अच्छा प्रारंभिक बिंदु हो सकता है, लेकिन यह अक्सर एक गलत समझा गया संकेतक भी होता है। पि/इ वास्तव में किसी कंपनी की दीर्घकालिक नकद प्रवाह उत्पन्न करने और मूल्य निर्माण की क्षमता का एक सरलीकृत संकेतक मात्र है।

आमतौर पर देखा गया है कि जिन कंपनियों का आरओसीई उच्च होता है और जो तेज़ी से बढ़ रही होती हैं, वे लंबे समय में अधिक मूल्य उत्पन्न करती हैं। इसलिए, ऐसी कंपनियों को गणितीय रूप से अधिक पि/इ मल्टीपल मिलना उचित माना जाता है। यह अब भी उन निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प हो सकता है, जो अल्पकालिक रिटर्न की बजाय व्यवसाय की बुनियादी ताक़तों के आधार पर दीर्घकालिक निवेश करना पसंद करते हैं।

यह फंड निवेश की 'ग्रोथ' स्टाइल को अपनाते हुए पूरे मार्केट कैपेटलाइजेशन में निवेश करना चाहता है। स्कीम की दस शीर्ष होल्डिंग्स में आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, बजाज फाइनेंस लिमिटेड, इटरनल लिमिटेड, इन्फो-एज (इंडिया) लिमिटेड, एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड, एलटीआई माइंडट्री लिमिटेड, डिक्सन टेक्नोलॉजीज (इंडिया) लिमिटेड और कोफोर्ज लिमिटेड शामिल हैं, जिनके पास 31 अगस्त, 2025 तक पोर्टफोलियो के कॉर्पस का लगभग लगभग 44% हिस्सा हैं।

तमिलनाडु का 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी का सपना मजबूत

चेन्नई.

> करोड़ के निवेश समझौते, हजारों नौकरियां होंगी

तमिलनाडु ने गुरुवार को 'टीएन राइजिंग इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव' में 24,307 करोड़ के विशाल निवेश के लिए 92 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करके अपने आर्थिक विकास को नई गति दी। ये निवेश राज्य में लगभग 49,353 नई नौकरियां पैदा करेंगी। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की अध्यक्षता में आयोजित यह कॉन्क्लेव अगस्त में तूतीकोरिन में हुए पहले आयोजन के बाद दूसरा बड़ा सफल कार्यक्रम था। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस अवसर पर होसूर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया की भी शुरुआत की। यह एयरपोर्ट 2,000 एकड़ में बनेगा और इसका संचालन टीआईडीसीओ करेगा। यह कदम क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके हाल के लंदन और जर्मनी दौरे से 15,516 करोड़ के निवेश प्रस्ताव आए, और अब होसूर में सिर्फ तीन दिनों में 24,307 करोड़ के समझौते हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि हमने खुद का ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने 2030 तक तमिलनाडु को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के अपने लक्ष्य को दोहराया। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए उद्योगों के सहयोग से तेजी से आगे बढ़ना होगा। राज्य में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए, 9 और 10 अक्टूबर को कोयंबटूर में 'तमिलनाडु ग्लोबल स्टार्टअप समिट' का आयोजन किया जाएगा। इसमें दुनिया भर के उद्यमी और निवेशक भाग लेंगे।

निवेशकों का बढ़ा भरोसा

मुख्यमंत्री स्टालिन ने बताया कि 2021 में सत्ता में आने के बाद से, उनकी सरकार ने 77% समझौतों को वास्तविक निवेश में बदल दिया है। यह निवेशकों के बीच सरकार की प्रतिबद्धता और विश्वसनीयता का स्पष्ट प्रमाण है। इस मेगा कॉन्क्लेव में उद्योग मंत्री टी.आर.बी. राजा, खाद्य व आपूर्ति मंत्री आर. सक्करपानी और एसआईपीसीओटी व टीआईडीसीओ के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

क्रोमा मे पेश किए आई फ़ोन एयर,आई फ़ोन 17 और आई फ़ोन 17 प्रो

नई दिल्ली.

क्रोमा भारत में पेश कर रहा है एप्पल के बिल्कुल नए आई फ़ोन 17 की लाइनअप,आई फ़ोन 17, अल्ट्रा-थिन आई फ़ोन एयर,आई फ़ोन 17 प्रो और आई फ़ोन17 प्रो मैक्स जो अपने साथ ला रहे हैं एप्पल के सबसे नए डिज़ाइन, परफॉरमेंस और कैमरा इनोवेशन, जिनमें बड़े डिस्प्ले, ए19-सीरीज़ चिप्स, ए19 और ए19 प्रो, और उन्नत सेंटर स्टेज फ्रंट कैमरा शामिल हैं। आई फ़ोन 17 की कीमत 82,900 से आगे,आई फ़ोन एयर की 1,19,900 से आगे,आई फ़ोन 17 प्रो की 1,34,900 से आगे और आई फ़ोन 17 प्रो मैक्स की 1,49,900 से आगे है। फ़ोन 17 में पहली बार किसी नॉन-प्रो मॉडल में प्रोमोशन के साथ 6.3 इंच का सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले, 256जीबी से आगे की स्टोरेज, 8 घंटे तक के वीडियो प्लेबैक के लिए 10 मिनट का फ़ास्ट चार्ज, एक नया सेंटर स्टेज फ्रंट कैमरा और 48 एमपी फ़्यूज़न कैमरे दिए गए हैं। वहीं, प्रो लाइनअप में एक नया हॉरिज़ोन्टल कैमरा लेआउट, ए19 प्रो चिप के साथ प्रो-क्लास परफॉर्मेंस, डिस्प्ले और थर्मल इम्प्रूवमेंट, और अन्य प्रो-ग्रेड अपग्रेड शामिल हैं। प्री-बुकिंग की जाएगी। पूरी कीमत और उपलब्धता की जानकारी के लिए, अपने नज़दीकी क्रोमा स्टोर या क्रोमा. कॉम पर जाएं। 3 की प्री-बुकिंग भी उपलब्ध होगी-जिनकी कीमतें क्रमशः 46,900, 89,900, 25,900 और 25,900 से शुरू होंगी। नई एप्पल वाच सीरीज 11 में हाइपरटेंशन नोटिफिकेशन, स्लीप स्कोर, 5जी सेलुलर कनेक्टिविटी, दो गुना ज़्यादा स्क्रैच-रेज़िस्टेंट आईओएन-एक्स ग्लास, वर्कआउट बडी और लाइव ट्रांसलेशन जैसे एप्पल इंटेलिजेंस-संचालित फ़ीचर्स के साथ-साथ और भी ज़्यादा चमकदार डिस्प्ले शामिल है। एप्पल वाच अल्ट्रा 3 में ऑफ-ग्रिड इमरजेंसी संदेश भेजने के लिए बिल्ट-इन सैटेलाइट कम्युनिकेशन, सबसे बड़ा एप्पल वाच डिस्प्ले, लो पावर मोड में 72 घंटे तक का बैकअप, 5 जी कनेक्टिविटी और नए वेपॉइंट फेस जैसे नेविगेशन-केंद्रित अपग्रेड जैसी उन्नत क्षमताएं हैं; और एप्पल वाच एसई 3 में एस10 चिप, ऑलवेज़-ऑन डिस्प्ले, 5जी सेलुलर और स्लीप स्कोर व एपनिया नोटिफिकेशन जैसी बेहतर स्वास्थ्य जानकारी आदि हैं।

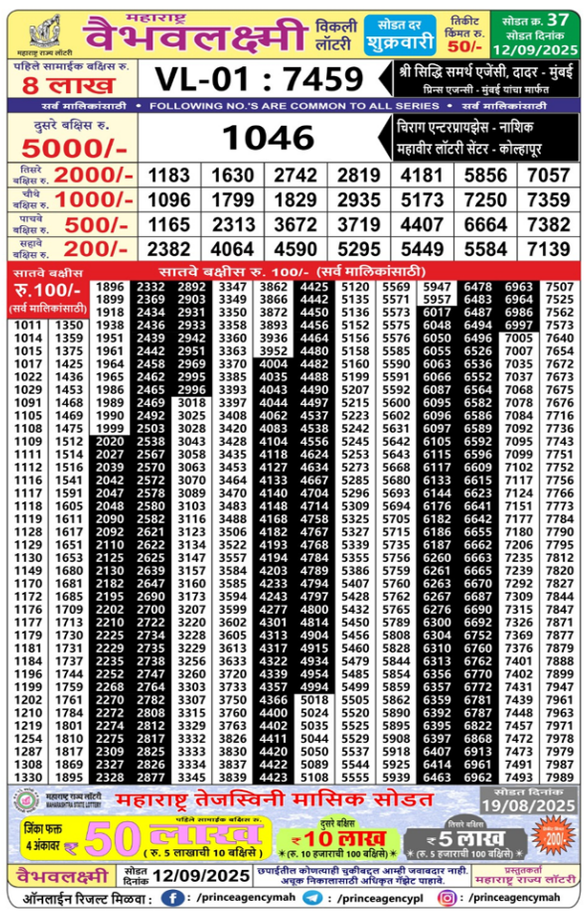

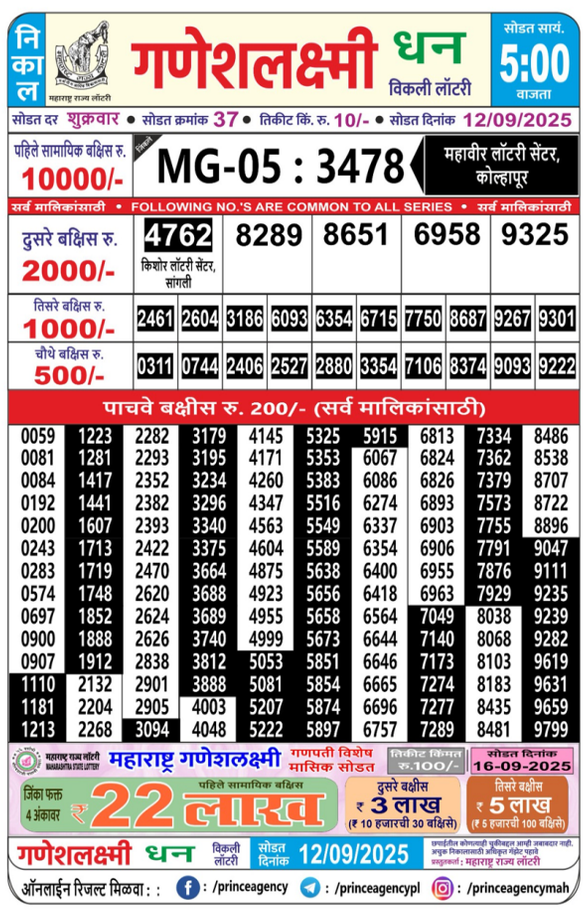

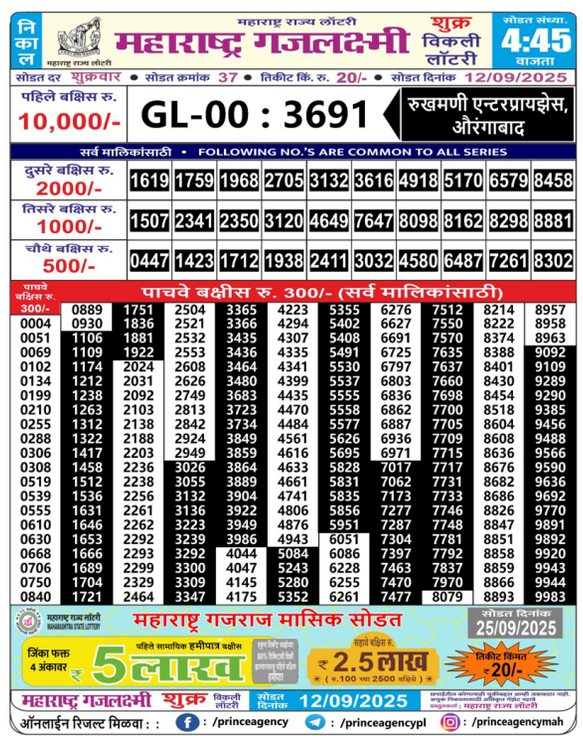

खाने-पीने की चीजें महंगी होने का दिखा असर

नई दिल्ली.

जहां एक तरफ जीएसटी को लेकर लोगों में खुशी है और आने वाले फेस्टिव सीजन में लोग खरीदारी करने की प्लानिंग कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ इस बार सीपीआई के आंकड़े आम आदमी के लिए कुछ खास अच्छे नहीं हैं. भरत की खुदरा महंगाई यानी सामानों की कीमतों में बढ़ोतरी, जुलाई के सबसे कम स्तर 1.55% से बढ़कर अगस्त में 2.07% हो गई है. इसका मतलब ये है कि खावे पीने की चीजें अगस्त में महंगी हो गई हैं. इसकी वजह ये है कि पिछले कुछ महीनों में जो महंगाई कम थी, उसका असर अगस्त में फीका पड़ गया. भारत सरकार और आरबीआई महंगाई को नियंत्रण में रखने की कोशिश करते रहते हैं. रॉयटर्स के 40 अर्थशास्त्रियों के सर्वे में अनुमान लगाया गया था कि अगस्त में खुदरा महंगाई बढ़कर 2.10% तक पहुंच जाएगी. लेकिन महंगाई अभी भी आरबीआई के 4% के टारगेट से काफी कम है. मतलब महंगाई तो बढ़ी है लेकिन अभी भी नियंत्रण में है.

महंगाई बढ़ने के पीछे मुख्य रूप से सब्जियों, मांस और मछली, तेल, अंडे, और पर्सनल केयर के सामान की कीमतों में बढ़ोतरी का योगदान रहा. इससे साफ होता है कि जब खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ते हैं तो सीधे तौर पर परिवारों के बजट पर असर पड़ता है. सब्जी, मांस, तेल, और अंडे जैसी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के महंगे होने से खाने-पीने का खर्चा बढ़ जाता है. ग्रामीण इलाकों में महंगाई दर अगस्त में 1.69% रही, जो जुलाई की 1.18% से बढ़ी है. वहीं, शहरी क्षेत्रों में महंगाई दर 2.47% तक पहुंच गई, जो जुलाई के 2.10% से ज्यादा है. खाद्य महंगाई की बात करें तो ग्रामीण इलाकों में यह -0.70% और शहरों में -0.58% रही. अगस्त में आवास महंगाई थोड़ी कम होकर 3.09% पर आ गई, जबकि शिक्षा महंगाई 3.60% और स्वास्थ्य महंगाई 4.40% पर बनी रही. वहीं परिवहन और संचार के खर्चे में भी कमी आई है. फ्यूल और लाइट इनफ्लेशन दर भी घटकर 2.43% रह गया.

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

दुनिया को दिया यह गहरा संदेश

टैरिफ पर मोहन भागवत का बड़ा बयान

मुंबई.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ को वैश्विक झगड़ों का प्रतीक बताते हुए एक गहरा संदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि ये टैरिफ 'मैं-मेरा' की स्वार्थी सोच से उपजे हैं, जो व्यक्तिगत से लेकर राष्ट्रों के स्तर तक विवाद पैदा करती है। भागवत ने दुनिया को संदेश देते हुए जोर देकर कहा कि अगर हम सबको अपना मानें, तो कोई दुश्मन नहीं बचेगा और वैश्विक समस्याओं का समाधान 'हम-हमारा' की भावना से ही संभव है।

भागवत का यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल खरीद के बहाने भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बीच आया है, जो अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर दबाव बनाने का प्रयास माना जा रहा है।

भागवत ने एक कार्यक्रम में बोलते हुए टैरिफ मुद्दे को आधार बनाकर मानवीय एकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, 'हमारे मन में अपनापन है तो सुरक्षा का प्रश्न नहीं है क्योंकि कोई भी हमारा बैरी नहीं है। दुनिया में लोगों को डर लगता है यह बड़ा होगा तो मेरा क्या होगा, भारत बड़ा होगा तो हमारा स्थान कहां रहेगा, इसलिए लागू करो टैरिफ। 7 समुद्र पार आप लोग हैं, हम यहां हैं, कोई संबंध तो आता नहीं लेकिन डर लगता है, मैं-मेरा के चक्कर में यह सब बातें होती हैं।' भागवत ने आगे कहा, 'भारत को सारे विश्व को राहत देनी है, इसलिए भारत में आज भी अभाव में भी लोग सुखी रहते हैं। अभाव होना नहीं चाहिए, अभी है, बदलेगा तो बदलेगा, तो भी संतोष लोगों के पास है। सुविधा नहीं है, दुख है कष्ट है, लेकिन दुख कष्ट में भी एक कदम माल ढोने वाला अपनी गाड़ी को ढोते-ढोते उसे अवकाश मिलता है।

'भारत ने अपने आप को पहचाना है'

संघ प्रमुख ने आगे कहा, 'राष्ट्र के नाते भी भारत अपने आप को जानता है, भारत कहता है हम एक बड़ा देश हैं, हमको बड़ा बनना है, भरपूर बनाना है, लेकिन किस लिए भरपूर बना है? हमारा काम क्या है? समय-समय पर यह जो मनुष्य के विचार में जो कमी होती है जोड़ने वाले तत्व की, आत्मा की, उसको पूरा करने के लिए हमको एक देश के नाते जीना है, बड़ा बनना है, इसलिए भरपूर बनना है।

नौसेना की राइफल और कारतूस गायब होने का मामला

मुंबई. मुंबई में नेवी नगर आईएमएसएएस राइफल चोरी मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी राकेश डुब्बुला भी अग्निवीर है। आरोपी राकेश और शिकायतकर्ता आलोक सिंह 2023 में एक ही बैच में भर्ती हुए थे। पुलिस के मुताबिक दोनों एक-दूसरे को जानते थे और पुलिस को उनके साथ की तस्वीरें भी मिली हैं।

हालांकि शिकायत दर्ज कराते वक्त समय आलोक सिंह ने दावा किया था कि वह उस व्यक्ति को नहीं जानता था जो 6 सितंबर को उसके पास आया और जिसने ड्यूटी से रिलीव करने की बात कहकर उसकी आईएनएसएएस राइफल और मैगजीन लेकर फरार हो गया। मुंबई पुलिस के अलावा एनआईए,आईबी और एटीएस भी जांच में शामिल हैं। ये एजेंसियां राकेश और उसके बड़े भाई उमेश डुब्बुला से भी पूछताछ कर रही हैं क्योंकि दोनों नक्सल प्रभावित इलाके के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि उमेश के मोबाइल फोन पर एक फोटो मिला है जिसे उसने डिस्प्ले पिक्चर लगाया हुआ था और उसमें वह असॉल्ट राइफल लिए नजर आ रहा है। अब एजेंसियां यह जांच कर रही हैं कि क्या उमेश के नक्सली समूहों से कोई संबंध है? पुलिस जांच में सामने आया है कि तेलंगाना के आसीफाबाद जिले के जिस गांव के ये दोनों भाई रहने वाले हैं वहां से कुछ लोग पहले नक्सली समूह का हिस्सा रहे थे और बाद में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर चुके हैं। राइफल चोरी का असली मकसद अभी तक साफ नहीं हो पाया है। साथ ही उमेश के कॉल डिटेल रिकॉर्ड से यह सामने आया है कि वह स्थानीय थाने के एक पुलिस कांस्टेबल से अक्सर संपर्क में रहता था। राकेश डुब्बुला और उमेश डुब्बुला को 9 सितंबर को गिरफ्तार किया गया। क्राइम ब्रांच का कहना है कि वे सभी संभावित एंगल से जांच कर रहे हैं लेकिन उमेश के नक्सली संबंधों का कोई ठोस सबूत अब तक नहीं मिला है। 9 सितंबर को की गई छापेमारी के दौरान पुलिस ने राकेश और उमेश दोनों को उनके घर से गिरफ्तार किया। जब पुलिस ने 9 सितंबर को आरोपियों के घर पर छापा मारा और पहले उमेश को पकड़ा वही राकेश पुलिस को दूसरे कमरे में सोते हुए मिला। वहीं से राइफल और मैगजीन भी बरामद हुईं।

प्रियंका ने भारत-पाक मैच न होने की फिर मांग की

मुंबई. एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को होने वाले क्रिकेट मैच को लेकर सियासत भी तेज हो गई है. शिवसेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि 'कभी ने भूलें, कभी माफ न करें. पाकिस्तान के साथ कोई मैच नहीं हो, यही देश की भावना है.' इसके पहले उन्होंने राज्यसभा में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कैप के मैच को रद्द करने की मांग की थी. इसके साथ ही उन्होंने भारत सरकार को खत लिखकर कहा था कि अगर मैच रद्द न हो सके तो भारत में इसके लाइव प्रसारण पर रोक लगनी चाहिए. प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने एक्स पोस्ट में कार्टून शेयर किया. इसमें भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच हो रहा है और सामने एक महिला शव के आगे बैठी है. याद हो कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद एक तस्वीर ने देश को झकझोर कर रख दिया था. ये तस्वीर नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल और उनकी पत्नी का था. आतंकियों ने विनय नरवाल को उनका धर्म पूछकर मार डाला था. उनकी पत्नी हिमांशी नरवाल शव के पास बैठकर ही रो रही थीं. प्रियंका चतुर्वेदी ने उसी मंजर को याद दिलाने की कोशिश की है.

पहले काटा तिरपाल और चुरा लिया सारा सामान

धाराशिव. जिले में एक फिल्मी अंदाज की चोरी ने पूरे क्षेत्र को हैरान कर दिया है. सोलापुर-धुले हाईवे पर रत्नापुर गांव के पास चालू ट्रक पर चढ़कर चोरों ने सामान चुराने की वारदात को अंजाम दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. वीडियो में चोरों की हरकतें साफ दिखाई दे रही है.

वे बिना किसी डर के सामान चोरी करने में लगे हुए हैं. चोर चलते ट्रक के ऊपर बैठकर आराम से सामान चुराया और ट्रक के पीछे चल रही बाइक पर सवार अपने साथियों को सामान सौंप देते हैं. इस घटना के दौरान पीछे से आ रहे वाहन चालकों ने इस दृश्य का वीडियो मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया, जिसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि कैसे दो चोर ट्रक से सामान चुरा रहे हैं.

उन्होंने पहले ट्रक के तिरपाल को काटा और फिर उसमें रखा सामान निकालने लगे. वीडियो में यह भी देखा गया कि दोनों चोरों ने अपने मुंह को कपड़े से छुपाया हुआ है. दोनों चोर लगातार सामान ट्रक से निकलकर पीछे बाइक पर चल रहे अपने साथी को देते रहे. घटना का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो के वायरल होने के बाद धाराशिव की स्थानीय अपराध शाखा (लोकल क्राइम ब्रांच) ने तुरंत कार्रवाई की और इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है.

फर्ज़ी निकली कैप्टन, 23 साल की ठगी

छत्रपति संभाजीनगर.

छत्रपति संभाजीनगर से महिला द्वारा 23 सालों तक खुद को भारतीय सेना का कैप्टन बताने का फर्जीवाड़ा सामने आया है. मामले में दौलताबाद पुलिस और पुणे स्थित साउदर्न कमांड मिलिट्री इंटेलिजेंस की संयुक्त कार्रवाई की और महिला के फर्जीवाड़े का खुलासा किया.

महिला की पहचान रुचिका अजीत जैन के नाम से हुई है. वो दौलताबाद के धरमपुर की रहने वाली वाली है. मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने महिला के घर छापेमारी की. इस दौरान इसके घर से कई सेना की वर्दियां, नेमप्लेट, नकली पहचान पत्र, मेडल, सैनिकों की तस्वीरें और कई संगठनों से मिले सम्मान पत्र मिले, जिसे जप्त कर लिया गया है. पुलिस जांच में सामने आया की महिला कई आर्मी भर्ती कराने वाली अकादमियों में जाती थी और छात्रों को प्ररित करने का काम करती थी. इस दौरान महिला को कैप्टन बताया जाता और लोग उसे सलामी ठोकते थे. महिला को वीआईपी ट्रीटमेंट भी मिलता था. महिला को कई सामाजिक संगठनों ने भी सम्मानित किया है. पुलिस के मुताबिक, महिला सेना की वर्दी पहनकर राष्ट्रीय आयोजनों में मुख्य अतिथि बनकर जाती थी. वो खुद को पैराशूट रेजिमेंट की इंटेलिजेंस अधिकारी बताकर लोगों को धोखा देती थी. समाज में लोकप्रियता और फायदे पाने के लिए उसने झूठी पहचान बनाई थी. रुचिका जैन का रहन-सहन और शारीरिक भाषा इतनी प्रभावशाली था कि, वह खुद को वास्तविक सैन्य अधिकारी साबित कर देती थी.

उसकी पहचान ने इतनी गहरी पैठ बना ली थी कि लोगों को उस पर कभी संदेह नहीं हुआ. इस दौरान महिला को वीआईपी ट्रीटमेंट भी मिलता था. दौलताबाद पुलिस ने आरोपी महिला पर भारतीय सेना की वर्दी और प्रतीकों का दुरुपयोग करने और झूठा अधिकारी बनकर पहचान बनाने के आरोप में धारा 168 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है. फिलहाल मामले की कई पहलुओं पर जांच कर रही है. साथ ही जांच एजेंसियां यह भी समझने का प्रयास कर रहीं है कि उसका संबंध कहीं किसी संगठन से तो नहीं है.

ई-मेल rdc_nagpur@rediffmail.com फोन नं. ०७१२-२५६२६६८

क्र.-अजिदं/गृह शाखा/१४(१)/कावि-३८२/२०२५ दिनांक ११/०९/२०२५

सार्वजनिक नोटीस

संरक्षण कार्य कायतः 1903 च्या कलम 3 द्वारे प्रदान केलेल्या अधिकाराचा वापर करून, भारत सरकारच्या नवी दिल्ली राजपत्रात दिनांक 4 सप्टेंबर 2025 रोजी प्रकाशित झालेल्या अधिसूचनेनुसार, क्रमांक एसआरओ 17 (ई) ज्यामध्ये भारत सरकारने घोषित केले आहे की, अधिसूचनेच्या अनुसूचीमध्ये वर्णन केलेल्या जमिनीच्या वापरावर आणि उपभोगावर, महाराष्ट्र राज्यातील बोथली नागपूर येथील संरक्षण संशोधन आणि विकास प्रयोगशाळेच्या परिसरात असलेली जमीन असल्याने, आधीच अस्तित्वात असलेले निर्बंध लादणे आवश्यक आहे, जेणेकरून सदर जमीन इमारती आणि इतर अडथळ्यांपासून मुक्त ठेवता येईल. सदर अधिसूचनेनुसार, आधीच अस्तित्वात असलेले निर्बंध, भारत सरकारच्या अधिकृत राजपत्रात सदर अधिसूचना प्रकाशित झाल्याच्या तारखेपासून अंमलात येतील.

म्हणून, संरक्षण बांधकाम कायदा, 1903 (1903 चा 7) च्या कलम 3 (2) अंतर्गत मला मिळालेल्या अधिकाराचा वापर करून, मी याद्वारे संरक्षण संशोधन आणि विकास प्रयोगशाळा, बोथली नागपूरच्या बाह्य सीमा भिंतीपासून 100 मीटर अंतराच्या आत सर्व ठिकाणी झाडे लावणे, घरे बांधणे, खड्डे खोदणे आणि इतर कोणत्याही प्रकारचे बांधकाम करण्यास मनाई करतो, जसे की, अधिसूचनेशी जोडलेल्या परिशिष्टात नमूद केले आहे.

वरील नमूद केलेल्या या सार्वजनिक सूचनेनंतर जर सदर जागेवर कोणतेही काम केले गेले तर ते बेकायदेशीर मानले जाईल आणि जर काही असेल तर ते काम/बांधकाम पाडले जाईल आणि संबंधित व्यक्तीवर नियमांनुसार कारवाई केली जाईल.

सदर जागेचा स्केच प्लॅन नकाशा विशेष भूसंपादन अधिकारी (सामान्य) जिल्हाधिकारी कार्यालय, नागपूर यांच्या कार्यालयात तपासता येईल.

प्रतिलीपी :- माहिती तथा उचित कार्यवाहीस्तव.

जिल्हादंडाधिकारी, नागपूर

१. संचालक, डीआरडीएल, संरक्षण मंत्रालय, भारत सरकार कांचनबाग, हैदराबाद यांना सादर केले.
२. मा. पोलीस आयुक्त, नागपूर यांना माहिती करीता सादर."
३. मा. आयुक्त नागपूर महानगर पालीका यांना माहिती करीता सादर.
४. मा. सभापती नागपूर सुधार प्रन्यास / NMRDA यांना माहिती करीता सादर.
५. पोलीस अधिक्षक, नागपूर ग्रामिण यांना माहिती करीता अग्रेषित.
६. इस्टेट मॅनेजर, रिसर्च अॅन्ड डेवलपमेंट ऑर्गनायझेशन, इस्टेट मॅनेजमेंट युनिट (R&D) संरक्षण मंत्रालय, भारत सरकार, महानगर पालिका मार्ग, सीव्हील लाईन, नागपूर.
७. भूसंपादन अधिकारी (सामान्य) यांना माहिती करीता अग्रेषित नागपूर.
८. उपविभागीय अधिकारी, नागपूर ग्रामिण यांना माहिती व आवश्यक कार्यवाहीस अग्रेषित.
९. तहसीलदार, नागपुर ग्रामीण को सूचित किया जाए तथा गांव में सूचना देकर संबंधितों को सूचित किया जाए। साथ ही, १०० मीटर क्षेत्र की भूमि से संबंधित सभी भूमि/भूखंड धारकों को दी गई लिखित सूचना का रिकॉर्ड रखना है और बिना देरी के इस कार्यालय को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है.
१०. सूचना के लिए अधीक्षक भूमि अभिलेख, नागपुर को अग्रषित.
११. सूचना के लिए सहायक निदेशक, शहरी नियोजन, नागपुर को अग्रेषित.
१२. आवश्यक कार्रवाई के लिए मंडल अधिकारी, बोथली के माध्यम से तहसीलदार नागपुर (ग्रामीण) को अग्रेषित.
१३. तलाठी बोथली को तुरंत ग्राम पंचायत बोथली के सूचना पट्ट पर उक्त सार्वजनिक सूचना प्रकाशित करना है और इस कार्यालय को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करना है.
१४. जिला सूचना अधिकारी, नागपुर को तुरंत मराठी, हिंदी और अंग्रेजो में दैनिक समाचार पत्रों में उक्त सार्वजनिक सूचना प्रकाशित करनी चाहिए और इस कार्यालय को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करना है ।
१५. राष्ट्रीय सूचना और विज्ञान अधिकारी, कलेक्ट्रेट, नागपुर को आधिकारिक वेबसाइट पर उक्त सार्वजनिक सूचना प्रकाशित करनी चाहिए और इस कार्यालय को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करना है।

जिल्हादंडाधिकारी, नागपूर

क्र. संमावज/नाग/379/ 2025

आज का राशिफल

मेष - आज का दिन रिश्तों, करियर में उन्नति और वित्तीय योजना पर ध्यान केंद्रित करते हुए एनर्जी प्रदान करता है। फ्यूचर के लक्ष्यों की स्ट्रैटजी बनाने के लिए अच्छा समय है।

वृषभ - आज सेहत का ध्यान रखें। आपको अपने विचारों को अपनाने और इसे जीवन के सभी पहलुओं पर लागू करने के लिए मोटिवेट किया जाता है।

मिथुन - आज के दिन अपनी पर्सनल लाइफ में आप अपने पार्टनर के साथ अधिक पर्सनल कनेक्शन विकसित कर सकते हैं। यह पर्सनल जरूरतों पर फोकस करने का समय है।

कर्क- आज आपके करियर की गति धीमी नहीं होनी चाहिए। इन्स्पेक्ट करें कि क्या आपका वर्तमान काम आपके लॉंग टर्म लक्ष्यों को पूरा करता है।

सिंह - आज का दिन अपने जरूरी प्लांस बनाने के लिए शुभ है। अपने बॉस के सामने अपनी कमिटमेंट, काम का तरीका और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल को दिखाने का इससे बेहतर समय क्या हो सकता है?

कन्या - आज का दिन आपके सामाजिक जीवन में नई रुचि लाएगा। आपकी विभिन्न संस्कृति के लोगों से जुडने की क्षमता नए अवसर या पार्टनरशिप के लिए एक खुला द्वार है।

तुला - आज हो सकता है कि आप अचानक खुद को उत्सुकता के साथ असाइनमेंट पर काम करते हुए पाएं। आर्थिक लाभ के अवसर भी मिलेंगे।

वृश्चिक - आज नेटवर्क बनाएं, अपनी स्किल्स का उदाहरण दें और प्रोजेक्ट्स पर पहल करने से न डरें। अपने पार्टनर के साथ सम्मान और संयम से व्यवहार करें।

धनु - आज के दिन डिटेल्स पर काम करने और चीजों को मैनेज करने में बिजी रहेंगे। किसी सम्मेलन, वेबिनार या यहां तक कि व्यावसायिक यात्रा के लिए प्रयास करें।

मकर - आज आप स्किल्स को बढ़ाने या नए मार्केट के बारे में अधिक जानने पर विचार करने के लिए उत्सुक हो सकते हैं। आज का मुख्य जोर आपके पर्सनल फाइनेंस के बढ़ते पक्ष पर है.

कुंभ - आज का दिन पर्सनल ग्रोथ और विस्तार की संभावनाओं से भरा है। विचारों को विकसित करने के लिए अपने सहकर्मियों के साथ बात करने और काम करने की अपनी क्षमता दिखाने का यह सही अवसर है।

मीन - आज के दिन फ्रेश एनर्जी के साथ अपने करियर की ओर बढ़ें।

अब बिना पीयूसी के नहीं मिलेगा फ्यूल!

मुंबई. इन दिनों प्रदूषण बढ़ते जा रहा है. लगातार घटते वायु प्रदूषण के स्तर को रोकने के लिए सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है. जल्द ही राज्य के सभी पेट्रोल पंपों पर बिना वैध पीयूसी वाले वाहनों को फ्यूल नहीं दिया जाएगा. यह नियम मुंबई सहित पूरे राज्य में लागू होगा. परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि इसका उद्देश्य प्रदूषण कम करना और फर्जी पीयूसी सर्टिफिकेट की समस्या पर रोक लगाना है. मुंबई और महाराष्ट्र के अन्य शहरों में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है.

स्मॉग और जहरीली गैसों के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है. भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण देने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है. सरकार ने स्पष्ट किया कि 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' अभियान कुछ महीनों में शुरू होगा. इसके तहत वाहन मालिकों को अपने प्रदूषण प्रमाणपत्र की वैधता अनिवार्य रूप से बनाए रखनी होगी. हर पेट्रोल पंप पर आने वाले वाहनों की सीसीटीवी कैमरे से जांच होगी.

मेजर अरुण शर्मा और उनके माता-पिता को राहत

मुंबई. ऑपरेशन सिंदूर में योगदान देने वाले मेजर अरुण शर्मा, जो इस समय राजस्थान में तैनात हैं उन्हें और उनके माता-पिता को आखिरकार बड़ी राहत मिली है. मुंबई की एस्प्लेनेड कोर्ट ने 10 साल पुराने दहेज उत्पीड़न मामले में सभी तीनों आरोपियों को बरी कर दिया. यह केस मेजर शर्मा की पत्नी से दर्ज कराए गए आरोपों पर आधारित था, जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए और 34 के तहत एफआईआर दर्ज हुई थी. मेजर शर्मा और उनके माता-पिता की ओर से पेश हुए वकील सुनील पांडे ने दलील दी कि इस केस में उनके मुवक्किलों को झूठे आरोपों में फंसाया गया और वे केवल परिस्थितियों के शिकार थे.

वकील ने कहा कि इस केस ने आवेदकों के जीवन के 10 साल छीन लिए. इस दौरान मेजर शर्मा के माता-पिता, जो वरिष्ठ नागरिक हैं, कई बीमारियों से जूझते रहे. वकील ने कोर्ट को बताया कि मेजर शर्मा सेना में कर्नल पद पर कार्यरत हैं और उन्होंने देश की सेवा करते हुए "ऑपरेशन सिंदूर" में भी हिस्सा लिया था. उन्होने कहा कि झूठे आरोपों के चलते उन्हें कोर्ट में पेशी पर आना पड़ा और उनकी गरिमा को ठेस पहुंची. दूसरी ओर, शिकायतकर्ता और उसके पिता न तो इस केस में मुंबई कोर्ट में कभी उपस्थित हुए और न ही दिल्ली की कोर्ट में, जहां तलाक का केस चल रहा था. बाद में दिल्ली की कोर्ट ने तलाक को मंजूरी भी दे दी. वकील पांडे ने आगे कहा कि शिकायतकर्ता ने आर्मी कोर्ट से करीब 40 लाख रुपये भरण-पोषण के रूप में भी मांगे थे, जबकि इसके लिए कोई ठोस आधार नहीं था. केस में मेडिकल सबूत भी सामने आए, जिनसे साबित होता है कि शिकायतकर्ता ने ही मेजर शर्मा को शारीरिक चोट पहुंचाई थी.

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944 , 9881272088

सुविचार

भविष्य अज्ञात है, लेकिन इसे बेहतर बनाने की जिम्मेदारी आपकी है।

संपादकीय

नेपाल की चुनौती

नेपाल में जेन -झेड ने जिस आंदोलन की शुरुआत की, अब वक्त है उसे अंजाम तक ले जाने का। हिंसा और अराजकता की स्थिति को जल्द से जल्द खत्म करने की जरूरत है। अंतरिम सरकार संभालने के लिए चर्चा में कई नाम हैं और इनमें से किसी एक पर सहमति बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसमें राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल और नेपाली सेना की भूमिका अहम हो जाती है। अच्छी बात यह है कि सड़कों पर आक्रोश जताने वाली नई पीढ़ी अब संवाद की तरफ बढ़ रही है। चाहिए नया नेतृत्व: जेन -झेड ने इतना बड़ा आंदोलन बिना किसी चेहरे के खड़ा किया। यह भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, भाई-भतीजावाद और सरकार की नाकामी से उपजा गुस्सा था, जिसके चलते युवा सड़कों पर उतरते चले गए। उन्होंने केपीएस ओली की सरकार को तो उखाड़ दिया, लेकिन अब देश को नया नेतृत्व चाहिए। युवाओं को मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था पर भरोसा नहीं और इसलिए वे बाहर से किसी ईमानदार छवि वाले शख्स को चाहते हैं। अंतरिम सरकार के सामने सबसे पहली चुनौती कानून-व्यवस्था को बहाल करने की होगी। अभी पूरे देश में सेना ने कमान संभाल रखी है, हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। नेपाल पहले भी इस तरह का संकट देख चुका है और कोई नहीं चाहता कि वैसी स्थिति दोबारा बने। दूसरी चुनौती होगी जितनी जल्दी हो सके, निष्पक्ष चुनाव कराकर चुनी हुई सरकार को सत्ता सौंपने की। राजनेताओं और मौजूदा राजनीतिक पार्टियों को लेकर जनता में गहरी नाराजगी है, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया में किसी को भागीदारी से रोका नहीं जा सकता।

देखना होगा कि अंतरिम सरकार कैसे बैलेंस बनाती है। संवैधानिक व्यवस्था पर भरोसा। नेपाल में कुछ अरसे से राजशाही की वापसी की मांग चल रही है। इस आंदोलन के दौरान भी यह चर्चा फिर जोर पकड़ी। हालांकि इसे सकारात्मक माना जाना चाहिए कि राजनेताओं के प्रति अविश्वास के बावजूद जेन -झेड का भरोसा संवैधानिक व्यवस्था में बना हुआ है। हालांकि वे 2015 के संविधान में संशोधन की मांग कर रहे हैं।

भारत के साथ ट्रंप का दोहरा रवैया दोस्ती भी, दबाव भी

द्रोण यादव

टैरिफ वॉर के चलते भारत अभी लगातार बदलती विश्व-व्यवस्था के केंद्र में है, जहां एक ओर भारत को रूस से साथ तेल व्यापार के कारण अमेरिकी टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर वह इन टैरिफ से होने वाले नुकसान से बचने के लिए रूस और चीन सहित अन्य देशों से अपने रिश्तों में संभावना खोज रहा है। इस बीच भारत पर अत्यधिक दबाव डालने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यूरोपीय देशों से भी यह अपील की है कि अमेरिका की तरह वे भी भारत पर 100% टैरिफ लागू करें। अमेरिका ने यूक्रेन से भी भारत पर लगे अमेरिकी टैरिफ का समर्थन करवाया है। वहीं, भारत एससीओ व ब्रिक्स गठबंधन की

ताकत का प्रदर्शन कर रहा है। इस सबके चलते अब भी दोनों ही देशों ने समझौते के द्वार पूर्णत: बंद नहीं किए हैं। जहां एक ओर ट्रंप-मोदी की मजबूत दोस्ती का दावा करने वालों पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं दूसरा पक्ष यह भी मानता है कि इनकी दोस्ती दोनों देशों के रिश्ते पुन: सुगम करने में मददगार हो सकती है।

पिछले दिनों एससीओ की बैठक के दौरान तीनों देशों के मुखिया (भारत-रूस-चीन) ट्रंप की नीतियों से त्रस्त एक नए गठबंधन की ओर इशारा करते देखे गए। उसके बाद न केवल ट्रंप 'चीन के हाथों रूस और भारत को खो देने का अफसोस' करते नजर आए, बल्कि सोशल मीडिया के माध्यम से भारत-अमेरिका के रिश्तों के किस्से भी पढ़ने लगे।

भारतीय नेतृत्व की ओर सकारात्मक सार्वजनिक टिप्पणियां यह संकेत भी देती हैं कि कठोर रुख के समानांतर वार्तात्मक स्पेस को संरक्षित रखने की नीति अपनाई जा रही है। कूटनीति के स्तर पर, कई दौर की चर्चाओं के बावजूद व्यापार राहत-सौदा तत्काल संभव न हो पाया है, पर संवाद के चैनल सक्रिय हैं। भारत की ओर से त्वरित प्रतिशोध से परहेज करते हुए आपूर्ति-शृंखला विविधीकरण, लक्षित घरेलू समर्थन तथा प्राथमिक बाजारों में कूटनीतिक पहुंच का संयोजन अपनाया गया है। इस रणनीति का उद्देश्य अल्पकालिक झटकों को नियंत्रित रखते हुए उच्च-मूल्य क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, डिजिटल एवं उन्नत विनिर्माण में सहयोग की निरंतरता बनाए रखना है।

व्यंग्य

मेरे मायके में

विजय विकुज

मैं घर में रहते हुए जितनी देर अपनी श्रीमतीजी से बातें करता हूं, उतनी देर में वे हर दसवें या पंद्रहवें वाक्य में अपने मायके का जिक्र जरूर करती हैं। मसलन आज मेरी सहेली सरोज अपने बेटे के साथ आई थी। हम दोनों ने एक साथ स्कूल से लेकर कॉलेज तक की पढ़ाई की है। अब देखिये कि हमारी शादी भी हुई तो हम दोनों की ससुराल यहां आस-पास की कालोनियों में ही है। अच्छा है, बीच-बीच में मिलना होता रहता है। आती है तो अपने भाई-भाभी के व्यवहार को लेकर हमेशा ही अपना दुख प्रकट करती रहती है। सरोज के एक ही बड़े भाई हैं। सालभर में कभी दो-चार दिन मायके में रहने की सोचकर जाती है मगर भाई-भाभी के व्यवहार के कारण टिक नहीं पाती है। दूसरे ही दिन वापस चली आती है। और एक मेरा मायका है जहां जाने पर मेरे तीनों ही भाई-भाभी मुझे छोड़ना नहीं चाहते। मुझे पलकों पर बिठाकर रखते हैं। दो दिन के लिए जाती हूं तो बड़ी मुश्किल से जान छुड़ाकर वहां से वापस आने में सप्ताह - दस दिन लग ही जाते हैं। आप तो जानते ही हैं कि मेरे मायके में. जाहिर है आप समझ गये होंगे कि मेरी श्रीमतीजी के लिए उनके मायके का कितना महत्व है। हो सकता है कि आपकी श्रीमती जी के लिए भी उनका मायका कुछ इसी प्रकार का हो तो ताज्जुब की कोई बात नहीं। सभी लोगों की श्रीमतियों का मायका कुछ ऐसा ही होता है। होना भी चाहिये, मायका तो आखिर मायका ही होता है और हर महिला को अपने मायका को अपने दिल में बसाकर रखना चाहिये। उसे सम्मान देना चाहिये। और किसी महिला का मायका अच्छा हो तो यह वहां के दामादों के लिए भी गर्व की बात होती है।

वास्तु शास्त्र

इन चीज़ों को रखें सही दिशा में मिलेगी तरक्की

धन-समृद्धि और सुख-शांति की तलाश हर कोई करता है. वास्तु शास्त्र और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, घर की चारों दिशाओं में विशेष वस्तुए रखने से जीवन की रुकावटें दूर होती हैं और किस्मत के बंद पड़े दरवाजे खुलने लगते हैं. यह सिर्फ परंपरा ही नहीं, बल्कि ऊर्जा संतुलन का विज्ञान भी माना गया है. आइए जानते हैं कौन-सी चार वस्तुए किस दिशा में रखने से बदल सकता है भाग्य. दक्षिण दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी होती है. इस दिशा में पीले रंग की कौड़िया रखने से धन की कमी दूर होती है. कौड़िया समुद्र का प्रतीक मानी जाती हैं और इनसे मां लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है. कहा जाता है कि कौड़िया रखने से अचानक धन प्राप्ति के योग बनते हैं और घर में स्थायी समृद्धि आती है. उत्तर दिशा धन और अवसरों की दिशा कही जाती है. यहां धन के देवता कुबेर की फोटो या मूर्ति रखने से घर में कभी पैसों की तंगी नहीं होती. यह उपाय बिजनेस में ग्रोथ, नौकरी में प्रमोशन और नए अवसरों के दरवाजे खोल देता है. कुबेर का स्थान वास्तु में सबसे शुभ माना गया है. पूर्व दिशा ज्ञान और नई शुरुआत से जुड़ी मानी जाती है. इस दिशा में क्रिस्टल की मछली या चांदी की मछली रखना बेहद शुभ माना गया है. मछली जल तत्व की प्रतीक होती है और यह घर में नेगेटिव एनर्जी को खत्म करती है. इससे घर में शांति और पॉजिटिविटी बनी रहती है और स्वास्थ्य संबंधी परेशानिया भी कम होती हैं. इन चीज़ों को हमेशा साफ-सुथरी और सही जगह पर रखें, टूटी या गंदी वस्तुए न रखें. रोज़ सुबह दीपक जलाकर इन दिशाओं की ओर प्रार्थना करें. घर के मुख्य द्वार को रोशनी और सजावट से जगमगाते रखें, क्योंकि यही से ऊर्जा का प्रवेश होता है.

लघुकथा

ज्ञानदेव मुकेश

शब्दों का तोहफा

वह विवाह के उपरांत होनेवाले रिसेप्शन की एक बड़ी पार्टी थी। शहर के कई गणमान्य लोग पार्टी में शिरकत कर रहे थे। उनके कपड़े भड़कीले और लकदक थे। उनके हाथ में महंगे-महंगे गिफ्ट चमक रहे थे। उनके चेहरों पर गर्व की आभा बिखर रही थी। मगर वह गरीब था। उसके कपड़े साधारण थे। कोई गिफ्ट मोल लेना तो उसके बस में ही नहीं था। वह खाली हाथ आया था और शर्म से गड़ा जा रहा था। वह पार्टी में आना नहीं चाहता था। मगर उसके मित्र ने उसे आने का पुरजोर आग्रह किया था। समय पर पार्टी शुरू हो गई।

स्टेज पर दुल्हा और दुल्हन आकर विराजमान हो गए। रंग-बिरंगे फूलों से सुसज्जित और रोशनी में नहाए स्टेज की गरिमा जोड़ी के आते ही कई गुना बढ़ गई। सभी स्टेज पर आरुढ़ होने के लिए लालायित होने लगे। नई नवेली जोड़ी से मिलने और उन्हें गिफ्टों से नवाजने का सिलसिला शुरू हुआ। मंहगे गिफ्ट देते वक्त मेहमानों के चेहरों पर गर्व की रोशनी और तेज हो जाती। मगर वे मेहमान नई जोड़ी की प्रशंसा में एक शब्द भी कहना आवश्यक नहीं समझ रहे थे। भव्य आयोजन के संबंध में भी कुछ कहने की उनकी अभिरुचि नहीं दिख रही थी।

इस बात से जोड़ी के पिता बड़े निराश और दुखी हो रहे थे। तभी उनका गरीब मित्र आता दिखा। उन्होंने आगे बढ़कर अपने मित्र को गले से लगा लिया और अपने पुत्र और पुत्रवधू से मुलाकात करवायी। पुत्र और पुत्रवधू ने उसके चरण छुए। वह अभिभूत हो उठा। उसने जोड़ी के सिर पर स्नेह से हाथ फेरे और उनके रूप-रंग की खुलकर प्रशंसा की। उसने भव्य आयोजन के संबंध में भी प्रशंसा के पुल बांध दिए। उसने अपने मित्र से कहा, 'ऐसी सुन्दर जोड़ी और ऐसा भव्य आयोजन विरले ही देखने को मिलता है।'

कहानी

मिहिर

शेरनी का दूध

मुगलों के मातहत कल्याण के नवाब का साला और बसई के दुर्ग का हाकिम नवाब खां मराठवाड़ा की पहाड़ी में दुश्मनों से बचता फिर रहा था। मराठा सेना उसका पीछा कर रही थी। तालाब का किनारा देख उस रात वहीं डेरा डालने का निश्चय किया। उसकी फौज के मंगोल सिपहसालार पास के जंगल से तीतर पकड़ लाये। तीतरों के भुने मांस का लुत्फ लेते छावनी में तफरीह कर रहे थे।सत्रहवीं सदी की मुगल छावनी, छावनी कम बाजार अधिक होती थी। तरह-तरह के मालो-गुलाल और रंगीन चश्मे बहर, नूरे-नजर अलग-अलग क्षेत्रों की वस्तुएं और औरतें वहां सजती थीं। महिलाओं का नाच और खनक उसी युग की सामंती परंपरा का अभिन्न अंग थी। वैभव विलास के उस युग में अमीरो-उमराव शाही ठाठ में पूरा दिन, ताल तलैया और बाग-बगीचों के बीच बिताना पसंद करते, खुले हुस्न की मंडियों में शामे फना करने का शौक फरमाते थे। यहां तक कि जंग के मैदान में भी यारों की महफिलें जवान जरूर होती थी। हिंदी के रसिक कवियों की पौ-बाहर का वो युग था जब भावों की सुंदरता शब्दों की मांसलता के आगे नतमस्तक थी। नवाब खां बड़े बेमन से कल्याण की रंगीनियों को छोड़ लाल मिट्टी के इस रूखे गढ़ में पत्थरों के बीच फौजी जिंदगी को कोस रहा था। उसे फतहपुर से यहां भेजा गया था। अगर बादशाह की फौज का साथ मिल गया होता तो उसे ही इस तरह यहां होना था? मराठों ने उसका खजाना लूट लिया था। और वे उसका पीछा कर रहे थे। कल्याण के किले पर आधी रात को मराठा सैनिकों के हमले ने उसे भागने पर मजबूर कर दिया था। कहां तो बेगमों, रखैलों, तवायफों और ख़्वासिनों के भरे पूरे हरम की शोखियां! और कहां यह रूखी बेलौस जमीन! हड़बड़ी में अपनी प्यारी नौशाद बेगम और दिलरुबा जान को भी किले में छोड़ भाग आया था। नौशाद बेगम तो फिर भी उम्रदार हो चली थी, पर दिलरुबा?

चंदा एक सितारे, एक
सभी नदी के किनारे
एक देखो बरसा रिमझिम
आई साथ में सारी खुशियां
लाई रात को चंदा हंस कर
बोली बादलों का किया
किनारे देख, झरना पर

कविता

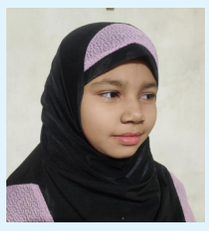

सुमय्या परवीन अंसारी, कक्षा 7 (ब), अंजुमन हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज, सदर, नागपूर।

हस्तरेखाएं

नाखूनों की बनावट बताती है आपका स्वभाव

हस्त रेखा शास्त्र में हाथ की रेखाओं के अलावा नाखूनों का भी खास महत्व है। हाथ के नाखूनों की बनावट भी व्यक्ति के व्यक्तित्व व स्वभाव से जुड़े कई राज खोलते हैं। हर व्यक्ति के हाथ के नाखूनों की बनावट अलग-अलग होती है। कुछ लोगों के नाखून छोटे, किसी के लंबे या चौड़े होते हैं। जानें हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार हाथ के नाखूनों की बनावट से क्या संकेत मिलते हैं। कहते हैं कि जिन लोगों के हाथ के नाखून चौड़े होते हैं वे बुद्धि के धनी होते हैं। ऐसे लोगों में सोचने व फैसला लेने की क्षमता अधिक होती है। ये अपने सभी कार्यों में सफलता पाते हैं। हस्त रेखा शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों के नाखून गोलाकार होते हैं, वे व्यक्ति सशक्त विचारों वाले एवं तुरंत फैसला लेने वाले होते हैं। ऐसे व्यक्ति जो भी फैसला लेते हैं उन पर अमल करना भी जानते हैं।हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, चौकोर नाखून वाले व्यक्ति स्वभाव से गंभीर माने जाते हैं। इन लोगों में लीड करने की क्षमता होती है। कहते हैं कि लोग राजनीति में सफल होते हैं।

लोककथा

डॉ. उमेश चमोला

गरीबा सेठ की विनम्रता

किसी गांव में एक आदमी रहता था। उसका नाम गरीबा था। एक बार वह बीमार पड़ गया। उसे जोर की भूख लगी हुई थी। उसे रास्ते में एक घट (घराट) दिखाई दिया। उसने घट वाले से कहा, 'मै तुम्हारा अहसान जीवन भर नहीं भूलूंगा। मुझे थोड़ा सा आटा दे दो' 'मंगता (भिखारी) कहीं का। मेरा भगवाड़ी (अनाज पीसने के बदले घट वाले को दिया हुआ आटा) भिखारी के लिए नहीं है। भाग यहां से।' यह कहकर घट वाले ने आटा झाड़ने वाले झाड़ू से गरीबा के सिर पर मारा। झाड़ू की मार पड़ने से गरीबा के सिर, गाल और कपड़ों पर आटा पड़ गया। गरीबा ने इस आटे को झाडा और खाने लगा। आटा खाकर उसके शरीर में थोडी जान आ गई। गरीबा घट से अपने घर की ओर वापस आने लगा। रास्ते में उसे एक महात्मा मिला। महात्मा ने उससे भिक्षा मांगी। उसके पास कुछ भी नहीं था। उसने अपने गालों और कपड़ों पर पडे आटे को हाथ से झाड़ा और महात्मा को भिक्षा के रूप में दे दिया। कुछ देर बाद गरीबा अपने घर पहुंच गया। उसने अपने सिर गाल और कपड़ो पर पड़े आटे को एक परात में झाड़ा। उसे आश्चर्य हुआ। महात्मा के आशीर्वाद से परात में रखा आटा बढ़ता ही गया। उसने आटे को थैलियों में भरना शुरू किया। उसके पास आटे की बहुत सारी थैलियां हो गई। उसने कुछ थैलियां अपने लिए रख दी, बाकी बेच दी। इससे उसने बहुत सारा धन कमा लिया। अब उसने धन को उधार देना भी शुरू कर दिया। अब वह गरीबा सेठ के नाम से जाना जाने लगा। एक साल भयंकर सूखा पड़ा। घराटों का पानी भी सूख गया। खेतों में गेहूं की उपज भी नहीं हुई। घट वाले को खाने के लाले पड़ गए। किसी ने घट वाले को सलाह दी कि वह गरीबा सेठ से कुछ धन उधार में मांगे। घट वाला गरीबा सेठ के पास उधार मांगने गया। उसे पता नहीं था कि गरीबा वही सेठ है मंगता कहकर उसने जिसका अपमान किया था। वह गरीबा सेठ के पास पहुंच गया। गरीबा सेठ ने घट वाले को पहचान लिया। वह घट वाले के पैर छूते हुए बोला, 'तुम्हें याद है तुमने उस दिन मुझे पर घट के झाड़ू से मारा था.

आस्था

सपनों में दिखे सांप रंग बताएगा भविष्य

सपने में काला सांप देखने का अर्थ वित्तीय लाभ के साथ खुशियां का संकेत माना जाता है. सोते समय सांप के सपने आना हर किसी को डरा देता है. दरअसल, स्वप्न शास्त्र के अनुसार सांप के कई सपने बेहद शुभ माने जाते हैं. आइए जानते हैं इन सपनों के बारे में. सपने में सांप को शिवलिंग में लिपटा हुआ देखना अच्छा माना जाता है. इसका मतलब आपके जीवन में आध्यात्मिक प्रगति का संकेत भी होता है. सपने में सफेद सांप को देखने का अर्थ दिव्य आध्यात्मिक मार्गदर्शन की प्राप्ति होना. सपने में हरे सांप को देखने का मतलब शुभ खबर मिलने के साथ अनुकूल परिणामों का भी प्रतीक है. सपने में भूरा या सुनहरा सांप देखने का मतलब आपके पूर्वज आपसे काफी प्रसन्न हैं. पीला सांप का अर्थ कैरियर में सफलता मिलने के साथ समाज में मान-सम्मान में वृद्धि के संकेत माने जाते हैं. कुल मिलाकर कहा जाए तो सांप के सपने अक्सर समृद्धि और आशीर्वाद का संकेत माने जाते हैं.

लक्ष्मण जी हर के लाये रावण की बेटी को

राजा रामचंद्र जी बदन महल में निवास करते हैं डुंड़ा महल में लक्ष्मण जी और झिंझरी महल में सीता जी निवास करती हैं। उनके महल में बाघ और भालुओं का पहरा लगा है। एक दिन सीता जी सपना देखती हैं की लक्ष्मण जी स्त्री का भेस धारण करके लंका गढ़ पहुंचते हैं वहां राजा रावण की पुत्री रानी फुफैया के साथ विवाह कर रहे हैं। दूसरे दिन सुबह होते ही सीता जी लक्ष्मण जी के पास अठारह द्वार पार करके डुंडा महल में अपने सपने के बारे में बताती हैं की आप लंका गढ़ के राजा रावण की बेटी रानी फुफैया के साथ विवाह करके वापस आ रहे हो। लक्ष्मण जी कहते हैं देखने को तो अच्छा देखा है भौजी!

पर यह तो सपना है कभी सच होता है कभी नहीं। तब सीता जी कहती हैं यह सपना कैसे सच नहीं होगा। मेरी छाती की आग तभी बुझेगी जब तुम रावण की बेटी को जीतकर लाओगे। तब लक्ष्मण जी कहते हैं भौजी यदि आप ऐसा कह रही हैं तो मैं अवश्य ही लंका जाकर रावण की बेटी को जीतकर लाता हूँ। मुझे आप अपने जेवर पहनने को दे दें।सीता जी लक्ष्मण जी को अपने सभी जेवर पहनाती हैं। लक्ष्मण जी सोलह श्रृंगार करके स्त्री का भेस धारण करके लंका गढ़ को चल देते हैं। लक्ष्मण जी जब समुद्र के किनारे पहुंचते हैं तो उनको समुद्र में जल मोती कन्या मिलती है। वह लक्ष्मण जी से कहती है - तुम वहां पर क्यों मरने जा रही हो। तुम्हारा पति नहीं है क्या! तुम लंका के राजा रावण को नहीं जानती उसके दस सिर हैं। पहाड़ के समान उसका शरीर हैं वह तुमको पकड़कर रख लेगा। अहरावण और महरावण उसके भाई हैं। तुम लौट कर अपने घर चली जाओ। लक्ष्मण जी कहते हैं मुझे लंका में बहुत जरुरी काम है। मुझे वहां जाना ही पड़ेगा। जल मोती कन्या लक्ष्मण जी को रगड़ती है लक्ष्मण जी थक कर समुद्र के किनारे बैठ जाते हैं। उसी समय एक केवट लक्ष्मण जी के पास आता है लक्ष्मण जी उसे बतलाते हैं की लंका के राजा रावण मेरे बाबा हैं। वहां मेरा मायका हैं तुम मुझे अपनी नाव से उस पार पहुंचा दो, नहीं तो मैं अपने बाबा रावण से कहकर तुम्हारी खाल में भूसा भरवा दूंगी। ऐसा सुनकर केवट घबड़ा जाता है। वह लक्ष्मण जी को अपनी नाव में बैठालकर समुद्र के उस पार ले जाता है।

आलेख

अश्विनी केशरवानी

बढ़ते बाल मजदूर

आज विश्व में लगभग 11 करोड़ बाल मजदूर हैं जो अत्यंत भयावह परिस्थितियों से गुजर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ की मानवाधिकार समिति द्वारा ऐसे बच्चों का सर्वेक्षण किया गया। इस रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि किस प्रकार से विश्व के अविकसित राष्ट्रों में बच्चों का शोषण हो रहा है, और उन्हें अपना व अपने मां-बाप का पेट भरने के लिये जानवरों से भी बदतर जिन्दगी बसर करनी पड़ रही हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार 97 प्रतिशत बाल मजदूर तीसरे विश्व में अर्थात् अविकसित राष्ट्रों में है। इन देशों में बाल मजदूरों की संख्या सबसे अधिक है जहां पर कुपोषण और अशिक्षा अधिक है। जहां पर कुपोषण और अशिक्षा अधिक है। योजना आयोग के एक अनुमान के अनुसार भारत में 5 से 15 वर्ष की आयु के बाल मजदूरों की संख्या गत 3 वर्षों में 1 करोड़ 75 लाख से बढ़कर 2 करोड़ हो गई है। 1981 की जनगणना के अनुसार आंध्रप्रदेश में सबसे ज्यादा बाल मजदूर है। इसके बाद मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, बिहार ओर कर्नाटक का नंबर आता है। बंबई के बाल मजदूर जूते साफ करने, होटलों में बर्तन धोने, कार साफ करने, कूड़ा बीनने आदि का काम करते हैं। इनमें से 25 प्रतिशत बच्चे 6 से 8 वर्ष के होते हैं, 48 प्रतिशत बच्चे 10 से 12 वर्ष के होते हैं तथा 27 प्रतिशत बच्चे 13 से 15 प्रतिशत के होते हैं। यूनिसेफ के एक सर्वेक्षण के अनुसार अकेले भारत में लगभग 2 करोड़ बच्चों को अपने जीवन यापन करने के लिए दिन भर काम करना पड़ता है। ये बच्चे अव्यवस्थित व्यवसायों में लगे हुए हैं जहां इनके मालिक इनका शोषण करते हैं। ये बच्चे पूरी तरह से मालिकों की दया पर जीते हैं। अधिक शारीरिक श्रम और मार खाना इनकी नियति है।

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

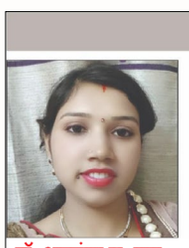
डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, शनिवार, 13 सितंबर 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

सरकार सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने और उन्हें स्मार्ट स्कूल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है

> शिक्षक योग्यता पुरस्कार समारोह में सह-संरक्षक मंत्री एड. जायसवाल का वक्तव्य

> 12 शिक्षकों और दो केंद्र प्रमुखों को योग्यता पुरस्कार प्रदान किए गए

गढ़चिरोली.

"राज्य सरकार सभी जिला परिषद स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने और उन्हें स्मार्ट स्कूलों में बदलने का प्रयास कर रही है। यह सुनिश्चित करने के प्रयास चल रहे हैं कि सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल निजी स्कूलों की तुलना में उच्चतम गुणवत्ता वाले हों और छात्रों को अच्छी शिक्षा मिले। इस प्रयास में शिक्षकों का सहयोग महत्वपूर्ण है और उनके योगदान से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से अगली पीढ़ी का जन्म होगा," राज्य के वित्त, योजना, कृषि, राहत एवं पुनर्वास, विधि एवं न्याय, श्रम राज्य मंत्री और जिले के सह-संरक्षक मंत्री एडवोकेट आशीष जायसवाल ने कहा।

जिला स्तरीय शिक्षक योग्यता पुरस्कार 2025 का वितरण एवं सम्मान समारोह गढ़चिरोली के जिला कलेक्टर कार्यालय स्थित योजना भवन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर सह-संरक्षक मंत्री एडवोकेट. जायसवाल ने सभी पुरस्कृत शिक्षकों को बधाई दी और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद डॉ. नामदेव किरसन ने की, जबकि विशिष्ट अतिथियों में विधायक डॉ. मिलिंद नरोटे, विधायक रामदास मसराम, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेंद्र भुयार, प्राचार्य बलिराम चौरे, कार्यपालन अभियंता विनोद उधरवार, जिला कृषि अधिकारी किरण खोमाने, उप अभियंता नितिन पाटिल और अन्य गणमान्य शामिल थे।

सांसद डॉ. नामदेव किरसन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि जिले की शैक्षणिक प्रगति के लिए शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जिले के सभी शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण कार्य करने और विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के साथ-साथ अन्य शिक्षकों को प्रोत्साहित करने की अपील की।

विधायक डॉ. मिलिंद नरोटे ने विचार व्यक्त किया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में विद्यार्थियों को जागृत करना और तकनीक आधारित शिक्षा प्रदान करना आवश्यक है। विधायक रामदास मसराम ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों को विद्यालयों में भौतिक सुविधाएँ और आधुनिक शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने की पहल करनी चाहिए।

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेंद्र भुयार ने कहा कि विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करते और बड़े पदों पर पहुँचते देखना ही शिक्षकों के लिए वास्तविक पुरस्कार है। पुरस्कार विजेता शिक्षिका उज्ज्वला बोगामी ने दूरस्थ क्षेत्रों की चुनौतियों और छात्रों की गुणवत्ता में सुधार हेतु उनके समाधान हेतु किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। प्राथमिक शिक्षक प्रवीण मुंजुमकर ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में छात्रों को आधुनिक माध्यमों से शिक्षित करने की आवश्यकता है।

पुरस्कार विजेता शिक्षक

जिले के प्रत्येक तालुका से 12 शिक्षकों और दो केंद्राध्यक्षों को योग्यता पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें बालाजी हनमंत मुंडे (कुरखेड़ा), वनश्री अंबादास जाधव (गढ़चिरौली), प्रीति नवघाड़े (चामोर्शी), शीतल कुमरे (कोरची), प्रवीण यादव मुंजुमकर (देसाईगंज), हेमलता अखाड़े (आर्मोरी), सिंपल मुधोलकर (एटापल्ली), उज्ज्वला बोगामी (भामरागढ़), मुरली गेन (मुलचेरा), सुरेखा मेश्राम (अहेरी), रमेश राछावर (सिरोंचा), विलास दर्दे (धनोरा) को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का परिचय शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) बाबासाहेब पवार ने दिया। कार्यक्रम का संचालन अमरसिंह गेडाम और धनंजय डम्पेट्टीवार ने किया। विस्तार अधिकारी जितेंद्र साहला ने उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया।

बी.एस. इस्पात कंपनी पर कोल सप्लाई के नाम पर करोड़ों की ठगी

एमपीआईडी एक्ट के तहत कार्रवाई की तैयारी

चंद्रपुर.

चंद्रपुर जिले की वरोरा तहसील के सालोरी येन्सा स्थित बी.एस. इस्पात कंपनी एक बार फिर विवादों के घेरे में है। कोल सप्लाई के नाम पर सैकड़ों करोड़ के घोटाले के खुलासे के बाद चंद्रपुर आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने इस कंपनी के खिलाफ महाराष्ट्र प्रोटेक्शन ऑफ इंटरेस्ट ऑफ डिपॉजिटर्स (एमपीआईडी) एक्ट के तहत कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। यह कार्रवाई अगले दो दिनों में शुरू होने की संभावना जताई जा रही है।

दो गंभीर एफआईआर दर्ज, घोटाले की राशि पहुंच सकती है हजार करोड़ के पार : इस घोटाले की शिकायत अरमैको कंपनी के संचालक शेखर रामकुमार लोहिया ने वरोरा थाने में दर्ज कराई थी। जिसके आधार पर पुलिस ने बी.एस. इस्पात के संचालकों — भवानी प्रसाद मिश्रा, आशीष पंडित, आदित्य मल्होत्रा और कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) सागर कासनगोट्टूवार के खिलाफ आईपीसी की धारा 420, 406, 465, 467, 468 सहित अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। इससे पहले 23 जुलाई 2025 को नागपुर की रोहित आयरन एंड स्टील प्रा.लि. कंपनी ने वरोरा थाने में 3.96 करोड़ की ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके तहत भी बीएनएस की धाराएं 3(5), 316(5), और 318(4) के अंतर्गत केस दर्ज किया गया है। साथ ही वणी थाने में भी इस कंपनी पर धोखाधड़ी का एक और मामला दर्ज है, जिसकी जांच आईडी (इन्वेस्टीगेशन डिपार्टमेंट) कर रही है।

विधानसभा में गूंज चुका है घोटाला : 2024 के मानसून सत्र में यवतमाल जिले के मुकुटबन स्थित बीएस इस्पात कोल माइंस में 40,000 मीट्रिक टन कोयले की हेराफेरी का मामला सामने आने के बाद, नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार, सुनील केदार, और सुभाष धोटे ने यह मुद्दा विधानसभा में उठाया था। इस पर मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश भी दिए थे, जबकि मंत्री दादा भुसे ने आश्वासन दिया था कि "गड़बड़ी की सख्ती से जांच होगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।" बावजूद इसके, 2025 में फिर से नए घोटालों का खुलासा हुआ है, जिससे यह सवाल उठने लगे हैं कि कहीं कंपनी अपने प्रभाव और रसूख के बल पर मामले को दबा तो नहीं रही?

एमपीआईडी के तहत कार्रवाई, सीबीआई जांच की भी संभावना : ईओडब्ल्यू के अनुसार, यदि घोटाले का दायरा और गहराता है, तो मामला हजार करोड़ से अधिक का हो सकता है। अब तक जिन कंपनियों ने एफआईआर दर्ज कराई है, वे तो ऑफिशियल ट्रांजैक्शन (एक नंबर पैसा) की बात कर रही हैं, लेकिन सूत्रों के अनुसार 'कैश डील' यानी दो नंबर से कोल सप्लाय पाने वालों की जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। सूत्रों के अनुसार, पहले ईडी द्वारा भी इस घोटाले की जांच की जा चुकी है। अब सीबीआई जांच की संभावनाएं भी बन रही हैं। फिलहाल, वरोरा थाने में दर्ज मामलों की जांच चंद्रपुर ईओडब्ल्यू को सौंपी गई है, जो आगामी दिनों में बड़ी कार्रवाई कर सकती है। बी.एस. इस्पात कंपनी पर वर्षों से धोखाधड़ी के आरोप लगते आ रहे हैं, लेकिन अब एमपीआईडी एक्ट और आर्थिक अपराध शाखा की जांच से यह मामला निर्णायक मोड़ पर पहुंच सकता है। यदि जांच निष्पक्ष रही, तो यह महाघोटाला देश के सबसे बड़े औद्योगिक धोखाधड़ी मामलों में गिना जा सकता है।

लॉयड मेटल ने दिया 19 महिलाओं को हलके वाहन चलाने का प्रशिक्षण

गढ़चिरोली.

एलएमईएल (लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड) ने कोनसरी गाँव की 19 महिलाओं का अपने परिवार में स्वागत किया। इन महिलाओं ने कंपनी द्वारा प्रायोजित हल्के वाहन (लाइट मोटर व्हीकल) चलाने का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है।

महिला सशक्तिकरण की नई पहल : कौशल विकास के जरिए महिला सशक्तिकरण और कार्यबल में लैंगिक विविधता को बढ़ावा देने की दिशा में एलएमईएल ने नया कदम उठाया है। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद इन 19 महिलाओं को कंपनी में नौकरी दी गई है। इस साल जून में कंपनी ने इन्हें मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा स्थित अशोक लेलैंड केंद्र में 45 दिन का आवासीय प्रशिक्षण दिलाया। वहाँ उन्होंने हल्के वाहन चलाना सीखा। इस प्रशिक्षण से उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उन्हें नई पहचान मिली। परिवार वाले भी इनकी उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं। कोनसरी स्थित लॉयड्स कौशल विकास केंद्र में आयोजित स्वागत समारोह में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि, "हमारे लिए सामुदायिक सशक्तिकरण ही सफलता की असली नींव है। महिलाओं को कौशल और रोजगार देना, कार्यबल में विविधता लाना और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर देना कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री बी. प्रभाकरन की संवेदनशील सोच का हिस्सा है।" समारोह में महिलाओं को नियुक्ति पत्र, प्रशिक्षण प्रमाणपत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और गुलदस्ता देकर सम्मानित किया गया।

आष्टी पुलिस ने एक महीने में ७ गुमशुदा लोगों को ढूंढ निकाला

गढ़चिरोली.

आष्टी पुलिस ने चामोर्शी तालुका के आष्टी पुलिस थाने के रिकॉर्ड में पिछले दो वर्षों से गुमशुदा लोगों की तलाश के लिए एक अभियान चलाया और एक महीने में ७ गुमशुदा लोगों को ढूंढ निकाला।

पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल के मार्गदर्शन में, आष्टी थाने के पुलिस निरीक्षक काले के नेतृत्व में दो गुमशुदा टीमों का गठन किया गया और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तलाशी अभियान चलाया गया। आष्टी पुलिस के सराहनीय प्रदर्शन में माधुरी लक्ष्मीकांत वरंगतिवार निवासी अडापल्ली तालुका मुलचेरा, शेवंता कुशन डोंगरे निवासी मुधोली चैक नं. २ तालुका चामोर्शी, एकनाथ हरिश्चंद्र नेवारे निवासी शेलूर तालुका चामोर्शी, युगांश संतोष राठौड़, सविता देवाशीष चक्रवर्ती, प्रभाकर पोचना अचेववार तीनों निवासी आष्टी तालुका शामिल हैं। आष्टी पुलिस की गुमशुदा व्यक्ति खोज टीम ने चामोर्शी पद्मा रमेश कंकवार (निवासी, चंदनखेडी तालुका, चामोर्शी) का पता लगाने में सफलता प्राप्त की है।

यह अभियान पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल, अहेरी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्यसाई कार्तिक, प्रशासन विभाग के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एम. रमेश, अहेरी के उपविभागीय पुलिस अधिकारी अजय कोकाटे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक विशाल काले, पुलिस कांस्टेबल प्रकाश सिदाम, भाऊराव वनकर, पुलिस कांस्टेबल हर्षद जाधव, रवींद्र मेदाडे, अखिल श्रीमनवार और उनके सहयोगियों के साथ मिलकर चलाया गया।

मलेरिया मुक्त गढ़चिरोली के लिए मुख्यमंत्री की पहल

टीसीआई फाउंडेशन का विशेष अभियान

गढ़चिरोली/मुंबई,

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विशेष सहयोग से, ग्लोबल फंड ने टीसीआई फाउंडेशन के माध्यम से गढ़चिरोली जिले में मलेरिया उन्मूलन के लिए एक व्यापक अभियान चलाया है। इस परियोजना के अंतर्गत, 'गहन मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम (आईएमईपी-3)' लागू किया जाएगा, जिसमें रोग नियंत्रण के लिए निगरानी, परीक्षण और उपचार सुविधाएँ प्रदान करने, समुदाय में जागरूकता बढ़ाने और मच्छर नियंत्रण के प्रभावी उपायों को लागू करने पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा।

गढ़चिरोली जिले में मलेरिया उन्मूलन के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया गया है और जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक समिति इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन करेगी। मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावी योजना, समन्वय और कार्यान्वयन से मलेरिया उन्मूलन संभव है। टास्क फोर्स और टीसीआई फाउंडेशन के सहयोग से गढ़चिरोली जिले को मलेरिया मुक्त बनाने की प्रक्रिया में तेजी आएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक भारत को मलेरिया मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है और महाराष्ट्र राज्य इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी क्षमता से काम कर रहा है। राज्य मलेरिया मुक्त महाराष्ट्र के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आशाजनक कदम उठा रहा है," मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ग्लोबल फंड ने टीसीआई फाउंडेशन को 2021-2024 (जीसी6) और 2024-2027 (जीसी7) की अवधि के लिए प्रमुख प्राप्तकर्ता के रूप में चुना है। यह संगठन देश भर में मलेरिया उन्मूलन पहलों के कार्यान्वयन के लिए केंद्र सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय वेक्टर-जनित रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीवीबीडीसी) के साथ एक तकनीकी भागीदार के रूप में काम कर रहा है।

गड़चिरोली पुलिस दल द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए सहायक उपकरण जाँच शिविर का आयोजन

गढ़चिरोली.

भारत सरकार की राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत भारत कृत्रिम अंग निर्माण निगम मुंबई के सहयोग से दो दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के दौरान जिले के दूर-दराज़ के क्षेत्रों से आए कुल 1300 वरिष्ठ नागरिकों का पंजीकरण किया गया तथा 207 वरिष्ठ नागरिकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया गया।

गड़चिरोली पुलिस दल समय-समय पर जिले के नागरिकों के लिए अनेक कल्याणकारी उपक्रम चलाता रहता है। इन्हीं प्रयासों के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे, उनका जीवन अधिक सरल और सम्मानजनक बने तथा उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिल सके इस उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक गड़चिरोली श्री नीलोत्पल के मार्गदर्शन में, "प्रोजेक्ट उड़ान" के अंतर्गत यह शिविर आयोजित किया गया।

यह शिविर दिनांक 11 सितंबर 2025 को एकलव्य हॉल, पुलिस मुख्यालय, गड़चिरोली तथा 12 सितंबर 2025 को पुलिस उप-मुख्यालय, प्राणहिता में संपन्न हुआ।

शिविर के दौरान चिकित्सक दल द्वारा वरिष्ठ नागरिकों की आयु से संबंधित शारीरिक कठिनाइयों की जाँच की गई। जिन नागरिकों को आवश्यकता थी, उन्हें दैनिक कार्यों को आसान बनाने हेतु व्हीलचेयर, छड़ी, वॉकर, श्रवण यंत्र, बैसाखी, कमर का पट्टा इत्यादि सहायक उपकरण निःशुल्क वितरित किए जाएंगे।

इसके अलावा, 207 लाभार्थियों को संजय गांधी निराधार योजना, श्रावणबाला योजना, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था योजना, आयुष्मान भारत कार्ड, वरिष्ठ नागरिक कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ भी उपलब्ध कराया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने कहा कि "इन उपकरणों के वितरण से वरिष्ठ नागरिकों को नया आत्मविश्वास मिलेगा और उनके जीवन की गुणवत्ता निश्चित रूप से बेहतर होगी। गड़चिरोली पुलिस दल का प्रयास है कि जिले के हर वरिष्ठ नागरिक तक राष्ट्रीय वयोश्री योजना का लाभ पहुँचे और उनकी समस्याओं का समाधान हो।"

उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि वरिष्ठ नागरिकों की छोटी-से-छोटी समस्याओं के समाधान के लिए भी गड़चिरोली पुलिस दल हमेशा तत्पर रहेगा।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल, अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी सत्य साई कार्तिक, उपविभागीय पुलिस अधिकारी अहेरी अजय कोकाटे, मुख्य चिकित्सा अधिकारी पुलिस अस्पताल सुनील मडावी, जिला अस्पताल गड़चिरोली के ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. संदीप मोटघरे, एलिम्को मुंबई से डॉ. संकेत डेरवणकर, ऑर्थोटिक्स एवं प्रोस्थेटिक्स विशेषज्ञ हर्ष विश्वकर्मा, कैंप कोऑर्डिनेटर विकास कुमार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी उपविभागीय पुलिस अधिकारी, विभिन्न थानों और उप-थानों के अधिकारी व कर्मचारी, तथा नागरिक कृती शाखा के प्रभारी अधिकारी उपनिरीक्षक चंद्रकांत शेलके व पुलिस अमले ने अथक परिश्रम किया।

पवन सिंह के बर्ताव पर आम्रपाली का खुलासा

भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे इंडस्ट्री की महंगी एक्ट्रेसेस में से एक हैं. फिल्मों में कमाल की एक्टिंग करने वाली आम्रपाली रियल लाइफ में भी किसी टॉपिक पर बात करने में पीछे नहीं हटती हैं. चाहे कोई भी एक्टर हो, अगर कोई सही है तो वो उनका साथ देती हैं लेकिन अगर कोई गलत है तो लड़ जाती हैं.

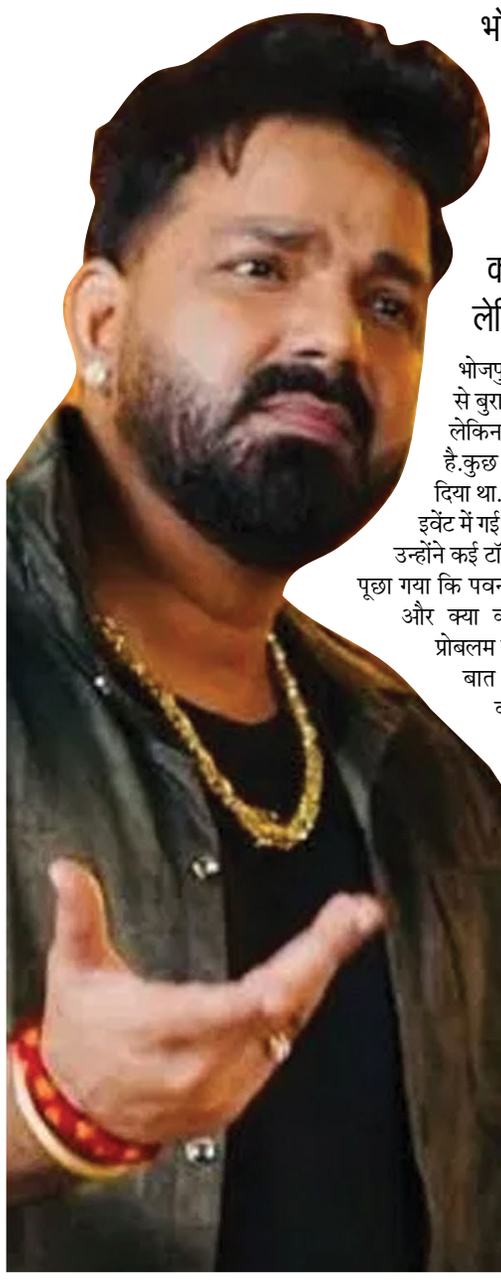

भोजपुरी स्टार पवन सिंह जब ड्रिंक करते हैं तो लड़कियों से बुरा बिहेव करते हैं, ऐसा कई एक्ट्रेसेस बोल चुकी हैं लेकिन इसपर आम्रपाली का जवाब बिल्कुल अलग है.कुछ हफ्तों पहले आम्रपाली दुबे ने एक इंटरव्यू दिया था. ये इंटरव्यू पटना में हुआ था जब वो किसी इवेंट में गई थीं. उसी दौरान ये इंटरव्यू हुआ और इसमें उन्होंने कई टॉपिक्स पर बात की. जब आम्रपाली से पूछा गया कि पवन सिंह किस मिजाज के इंसान हैं और क्या कभी उन्हें उनके बिहेवियर से प्रोबलम हुई है? इसपर एक्ट्रेस ने खुलकर बात की.इंटरव्यू में आम्रपाली दुबे ने कहा था, 'पवन सिंह जी का स्वभाव बहुत अच्छा है और मैं जब भी उनसे मिलती हूं मुझे अच्छा लगता है. मैंने ये बात दिनेश जी और प्रवेश जी को भी बोलते सुना है, उन लोगों के साथ इतनी अच्छी दोस्ती है पवन जी की. घर पे आना-जाना, लंच पे, डिनर पे. बात अगर ड्रिंक करने की है तो उस परिस्थिति में भी हम पवन जी से मिले हैं और तब भी उन्होंने हमारे साथ गलत बिहेव नहीं किया.'

फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' का रखा गया ग्रैंड प्रीमियर

सितंबर के दूसरे हफ्ते कई बड़ी फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हो रही हैं. इन फिल्मों में एक नाम हीर एक्सप्रेस का भी शामिल है. इस फिल्म का हाल ही में ग्रैंड प्रीमियर रखा गया था. मोहाली के एक मॉल में फिल्म हीर एक्सप्रेस का प्रीमियर बड़े धूमधाम से आयोजित किया गया.

इस मौके पर फिल्म के डायरेक्टर उमेश शुक्ला, प्रोड्यूसर, कलाकार और खास मेहमानों ने अपनी उपस्थिति से माहौल को यादगार बना दिया. भारतीय सिनेमा के मशहूर अभिनेता रंजीत भी इस शाम की शोभा बढ़ाने पहुंचे. पंजाबी सिंगर मनकीरत औलक भी खास तौर पर उपस्थित रहे. उन्होंने इस अवसर पर पंजाब में आई बाढ़ की त्रासदी का जिक्र करते हुए मदद की अपील की और अभिनेता गुलशन ग्रोवर से भी समर्थन की गुहार लगाई.निर्देशक और निर्माता उमेश शुक्ला ने कहा कि आज के समय में सिनेमा को ऐसी पारिवारिक फिल्मों की जरूरत है, जिन्हें हम अपने परिवार के साथ देख सकें. ऐसी फिल्में समाज को एक सकारात्मक संदेश देती हैं. डायरेक्टर और प्रोड्यूसर उमेश शुक्ला ने कहा आज के समय में सिनेमा को ऐसी पारिवारिक फिल्मों की जरूरत है, जिन्हें हम अपने परिवार के साथ बैठकर देख सकें. ऐसी फिल्में समाज में सकारात्मक संदेश देती हैं.

फिल्म की रिलीज से पहले हीर एक्सप्रेस का ग्रैंड प्रीमियर रखा गया. इस दौरान राजनेताओं से लेकर कलाकारों तक ने शिरकत की. इस समारोह में कई बड़े नामों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई. सभी ने इस शाम को और भी खास बना दिया. फिल्म की बात करें तो 12 सितंबर को पूरे भारत के सिनेमाघरों में ये फिल्म रिलीज की जा चुकी है. बड़ी स्टारकास्ट से सजी इस फिल्म और दर्शकों को पारिवारिक मनोरंजन का बेहतरीन अनुभव देने का वादा करती है.

शाहरुख़ को सालों बाद हुआ अपने फैसले का अफ़सोस

शाहरुख खान और सलमान खान इंडस्ट्री के दो बड़े सुपरस्टार हैं. दोनों की फिल्मों का इंतजार फैन्स दिल थामकर करते रहते हैं. दोनों 90 के दशक से दोस्त हैं. लेकिन एक बार शाहरुख ने सलमान की हरकतों की वजह से अपनी एक फिल्म से लीड हीरोइन को बाहर का रास्ता दिखा दिया था. फिर उन्होंने रानी मुखर्जी को कास्ट किया था.दरअसल जिस एक्ट्रेस की बात हो रही है, वह कोई और नहीं बल्कि ऐश्वर्या राय थीं. ऐश्वर्या राय को साल 2003 की फिल्म 'चलते चलते' में लीड एक्ट्रेस के लिए चुना गया था.

उन्होंने फिल्म की शूटिंग तक शुरू कर दी थी. लेकिन बाद में उन्हें बिना वजह बताए फिल्म से हटा दिया गया था.कहा जाता है कि ऐश्वर्या राय को फिल्म से इसलिए हटा दिया गया क्योंकि उन दिनों उनका रिश्ता सलमान खान के साथ था. दोनों के रिश्ते में काफी परेशानी आ रही थी. जिसके चलते सलमान फिल्म के सेट पर आकर हंगामा किया करते थे. इसी वजह से शूटिंग में देरी होती थी और तनाव भी पैदा होता था.हालाकि ऐश्वर्या और सलमान ने बाद में शाहरुख खान से माफी मांगी.

फिल्म सेट पर बिग बी की हत्या की थी साजिश

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने इंडस्ट्री में एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं. उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट होती थीं और जबरदस्त कमाई करती थीं. साल 1983 में रिलीज हुई फिल्म 'कुली' अमिताभ बच्चन के करियर की एक यादगार फिल्म ही नहीं, बल्कि उनकी जिंदगी के लिए बहुत खतरनाक फिल्म भी है. इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई एक दुर्घटना ने अमिताभ का बुरा हाल कर दिया था. हाल ही में पुनीत इस्सर ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए बताया कि उस हादसे के बाद मैं बहुत डर गया था. लोगों ने उन्हें बहुत कुछ सुनाया भी था. वहीं अमिताभ बच्चन के चोट लगने के पीछे लोग उन्हें ही जिम्मेदार मान रहें थे. पुनीत ने इस घटना के बारे में कई चीजों का खुलासा किया है. फिल्म 'कुली' के एक एक्शन सीन में अमिताभ बच्चन और पुनीत इस्सर को लड़ना था. इस फाइट सीन के दौरान, पुनीत इस्सर को अमिताभ बच्चन को घुसा मारकर उन्हें एक टेबल पर गिराना था. लेकिन जब पुनीत के लगे पंच से अमिताभ बच्चन के पेट पर टेबल का किनारा लग गया. इसकी वजह से अमिताभ बच्चन को बहुत ज्यादा चोट आई और उनके पेट में चोट गई.

किसानों पर बयान देकर फंसीं कंगना

एक्ट्रेस और बीजेपी सांसद कंगना रनौत को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है. दरअसल साल 2021 से ही एक्ट्रेस पर मानहानि का केस चल रहा है, जिसे लेकर कंगना ने इसे रद करने की मांग की थी. लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है. यह पूरा मामला किसान आंदोलन से जुड़ा है. जब एक्ट्रेस ने अपनी एक पोस्ट के जरिए किसानों के खिलाफ विवादित टिप्पणी की थी.कोर्ट की सुनवाई के दौरान कंगना रनौत के वकील ने दलील दी थी कि उन्होंने महज एक ट्वीट को रि-ट्वीट किया था, जो कि एक सामान्य बात है. उनकी तरह ही कई और लोगों ने भी उस ट्वीट को रि- ट्वीट किया था. इसपर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि यह महज रि ट्वीट नहीं था, बल्कि इसमें कंगना ने अपनी तरफ से मसाला डाला है. किसी लिहाज से यह कोई साधारण पोस्ट नहीं है. यह ट्रायल का विषय है तो आप निचली अदालत में अपनी बात रखिए. वहां से फैसला आने के बाद ही आगे मामले को देखा जाएगा, अगर बेंच के पास आया तो.साल 2021 में पंजाब की बठिंडा कोर्ट में 73 साल की महिंदर कौर ने कंगना रनौत के खिलाफ मानहानि का केस दर्ज कराई थी. इस शिकायत में कहा गया था कि कंगना ने एक पोस्ट को रि-ट्वीट करके उनके खिलाफ टिप्पणी की, जिससे उनकी मानहानि हुई है. महिंदर कौर की फोटो वाले ट्वीट को रि-ट्वीट करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा था कि यह वही बिलकिस बानो दादी हैं, जो शाहीन बाग प्रदर्शन का हिस्सा थीं. यह 100 रुपये में उपलब्ध हो जाती हैं.

5 साल तक चला बॉबी और नीलम का रिश्ता

पहला प्यार नसीब से मिलता है. हमने भी अभी तक ऐसी ही बातें सुनी हैं. लेकिन हिंदी सिनेमा में कम ही स्टार्स ऐसे हैं, जिन्हें उनका पहला प्यार नसीब हुआ है. 900 करोड़ी एनिमल से गदर मचाने वाले बॉबी देओल भी अपना पहला प्यार हासिल नहीं कर पाए थे. उनके ब्रेकअप के पीछे की अलग-अलग कहानियां हैं. लेकिन आज हम बात करेंगे बॉबी के पहले प्यार की, जो 80 से 90 के दशक में बड़े पर्दे पर खूब छाईं. हालांकि एक वक्त के बाद उन्होंने पर्दे से दूरी बना ली. उस एक्ट्रेस का नाम गोविंदा के साथ भी जुड़ चुका है.बॉबी देओल ने साल 1995 में फिल्म बरसात से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. लेकिन उन्हें फिल्मों में आने से पहले ही प्यार हो गया था. बॉबी जिसे प्यार करते थे, वह पहले से ही हिंदी सिनेमा में अपने पैर जमा चुकी थीं. उन्होंने कई बड़ी फिल्मों में एक्टिंग की थी और इंडस्ट्री में उनकी अदाकारी और खूबसूरती के चर्चे आम थे. लेकिन एक वक्त ऐसा आया जब दोनों ने 5 साल का रिश्ता अचानक ही खत्म कर दिया. हम जिस एक्ट्रेस की बात कर रहे हैं, वो कोई और नहीं, बल्कि नीलम कोठारी थीं. नीलम और बॉबी 5 साल तक रिलेशनशिप में रहे थे. बॉबी जब हीरो भी नहीं बने थे, तब से नीलम से प्यार करते थे.

रामायण के लिए रणबीर की बड़ी कुर्बानी

रणबीर कपूर इन दिनों अपनी सबसे बड़ी और मच अवेटेड फिल्म रामायण पर काम कर रहे हैं. नितेश तिवारी के डायरेक्शन में बन रही इस फिल्म में सितारों की फौज नजर आने वाली है. रणबीर फिल्म में भगवान राम के किरदार में नजर आने वाले हैं. जहां सभी इस फिल्म का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं, वहीं अब खबर आई है कि रणबीर ने रामायण के लिए अपने लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करने का फैसला किया है.रणबीर कपूर ने रामायण में भगवान राम का किरदार निभाने के लिए शराब छोड़ दी है और शाकाहारी बन गए हैं. खबर है कि, एक्टर इस किरदार के लिए आध्यात्मिक अनुशासन को अपनाने के लिए सख्त सात्विक आहार, सुबह जल्दी वर्कआउट पर ध्यान दे रहे हैं.

रणबीर ने पर्दे पर राम का किरदार निभाते समय पवित्रता दर्शाने के लिए ये कदम उठाने का फैसला किया है. दिलचस्प बात यह है कि रणबीर ने अपनी बेटी राहा के जन्म के बाद पहले भी धूम्रपान छोड़ने की बात कही थी. उन्होंने कहा था, "फिलहाल मेरा ध्यान सिर्फ अपनी बेटी के साथ समय बिताने पर है. मैंने अपने लाइफस्टाइल में काफ़ी बदलाव किए हैं. मैंने धूम्रपान और शराब पीना छोड़ दिया है. मैं सचमुच अपनी ज़िंदगी को व्यवस्थित करने की कोशिश कर रहा हूं. मैं 40 की उम्र में कदम रख चुका हूं और अपने बच्चे और अपने लिए स्वस्थ रहना चाहता हूं."

हादसे में गई करिश्मा की याददाश्त

अभिनेत्री करिश्मा शर्मा हादसे का शिकार हो गई है जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में उनके दोस्तों ने मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया है। करिश्मा शर्मा की हालत ही जानकारी उनके इंस्टाग्राम से ही दी गई है ।हादसे में गई करिश्मा शर्मा की याददाश्त दरअसल, करिश्मा शर्मा ने अपने एक दोस्त के पोस्ट को रिपोस्ट किया है।

इस स्टोरी में करिश्मा अस्पताल के बिस्तर पर बदहवास पड़ी इलाज कराती दिखाई दे रही है। तस्वीर शेयर करते हुए उनके दोस्त ने लिखा, स्यकीन नहीं हो रहा ऐसा हो गया है. मेरी फ्रेंड ट्रेन से गिर गई और उसे कुछ याद नहीं है। हमने उसे फ्लोर पर पाया और फिर तुरंत अस्पताल लेकर भागे। डॉक्टर्स उसे ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। प्लीज उसके लिए दुआएं कीजिए। जल्दी ठीक हो जाए बेबी। अपने दोस्त के इस पोस्ट के कुछ घंटों बाद करिश्मा शर्मा या उनकी टीम की ओर से एक और इंस्टाग्राम स्टोरी लगाई गई है जिसमें उनकी हालत की जानकारी दी गई है। उन्होंने लिखा, कल जब हम चर्चगेट पर शूटिंग के लिए जा रहे थे तो मैंने ट्रेन से सफर करना का फैसला लिया और इस दौरान मैंने साड़ी पहनी हुई थी। जैसी ही मैं चढ़ी ट्रेन स्पीड पकड़ने लगी और मैंने देखा कि मेरे दोस्त ट्रेन में नही चढ़ पाए थे। मैंने डर के मारे छलांग लगा दी और पीठ के बल गिर गई।

एशेज से पहले गर्माया माहौल, हेडन का बड़ा दावा

वाशिंगटन. ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का माहौल बनना शुरू हो गया है. इंग्लैंड को नवंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाना है जहां एशेज सीरीज का आगाज 21 तारीख से शुरू होगा. इस सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने बड़ा ऐलान कर दिया है. मैथ्यू हेडन ने कहा है कि अगर इंग्लैंड के धाकड़ बल्लेबाज जो रूट ने अगर शतक नहीं लगाया तो वो मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में बिना कपड़ों के घूमेंगे. मैथ्यू हेडन ने एक पॉडकास्ट के दौरान ये बात कही. बता दें जो रूट ने अबतक 39 टेस्ट शतक लगा दिए हैं लेकिन हैरानी वाली बात ये है कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अबतक एक भी टेस्ट शतक नहीं जड़ा है.

मैथ्यू हेडन ने ये बात क्यों कही

इस बार ऐसा लग रहा है कि जो रूट ऑस्ट्रेलिया में शतक लगा ही देंगे. रूट की फॉर्म ही इतनी कमाल चल रही है. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने साल 2021 से लेकर अबतक 61 टेस्ट में 56 से ज्यादा की औसत से 5720 रन बनाए हैं जिसमें उनके बल्ले से 22 शतक और 17 अर्धशतक निकले हैं. अब इतनी अच्छी फॉर्म के बीच अगर रूट ऑस्ट्रेलिया में इस बार भी शतक बनाने में नाकाम रहते हैं तो ये सच में बेहद अफसोसनाक होगा.

जो रूट का ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट प्रदर्शन

जो रूट ने ऑस्ट्रेलिया में 14 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उनके बल्ले से 35.68 की औसत से 892 रन निकले हैं. वो ऑस्ट्रेलिया में 9 अर्धशतक लगाने में कामयाब रहे हैं लेकिन शतक अबतक नहीं लगा है.

वैसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में रूट ने चार सेंचुरी लगाई है और ये चारों शतक उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में ही जमाए हैं. जो रूट ने इंग्लैंड की सरजमीं पर सबसे ज्यादा 24 शतक लगाए हैं. भारत-न्यूजीलैंड में उनके नाम 3-3 शतक हैं.

पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका में वो 1-1 शतक लगा चुके हैं. श्रीलंका में भी वो 3 शतक लगा चुके हैं. वेस्टइंडीज में उन्होंने 4 शतक जमाए हैं. सिर्फ ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और यूएई ऐसी जगहें हैं जहां रूट के बल्ले से टेस्ट शतक नहीं निकला है.

रजत पाटीदार ने दलीप ट्रॉफी फाइनल में ठोका शतक

साउथ जोन पर जमकर बरसे – बने टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर

बंगलुरु. भारत के अनुभवी घरेलू बल्लेबाज रजत पाटीदार एक बार फिर चर्चा में हैं। दलीप ट्रॉफी 2025 के फाइनल मुकाबले में साउथ जोन के खिलाफ उन्होंने जबरदस्त बल्लेबाज़ी करते हुए 112 गेंदों में शानदार शतक जड़ दिया। इस पारी के साथ पाटीदार ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनके बल्ले को रोकना अब लगभग नामुमकिन हो गया है।

सेंचुरी बनाने के दौरान रजत पाटीदार ने 12 चौके और 2 छक्के जड़े और फर्स्ट क्लास करियर का 15वां शतक पूरा किया। उन्होंने टीम की पारी को ना सिर्फ संभाला, बल्कि विपक्षी गेंदबाज़ों पर दबाव भी बनाए रखा। दलीप ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में भी उन्होंने शतक जड़ा था और अब फाइनल में भी बल्ला बोला है। मैच में पहले बल्लेबाज़ी करते हुए टीम को मालेवार और अक्षय वाडकर ने अच्छी शुरुआत दिलाई थी। हालांकि वाडकर और शुभमन शर्मा जल्दी आउट हो गए। इसके बाद पाटीदार ने मोर्चा संभाला। उन्होंने यश राठौड़ के साथ शतकीय साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।रजत पाटीदार शतक लगाने के तुरंत बाद आउट हो गए। उन्हें गुरजपनीत सिंह की गेंद पर कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कैच आउट किया। इसके बावजूद उनकी पारी मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। उन्होंने 4 पारियों में 369 रन बना लिए हैं और वो सबसे ज्यादा रनों के मामले में टॉप पर हैं.32 वर्षीय रजत पाटीदार को भारत के सबसे प्रतिभाशाली घरेलू बल्लेबाजों में गिना जाता है। हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिले तीन मौकों पर वो केवल 63 रन ही बना पाए थे, और एक वनडे में उन्होंने 22 रन बनाए। इसके बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। लेकिन मौजूदा घरेलू प्रदर्शन को देखते हुए ऐसा लग रहा है कि वो टीम इंडिया में वापसी की मजबूत दावेदारी पेश कर रहे हैं।

एशिया कप 2025 में खाली स्टेडियम, एसीसी की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 में अब तक 3 मैच खेले जा चुके हैं. इस दौरान स्टेडियम में फैंस की कमी ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) की टेंशन बढ़ा दी है. 14 सितंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच होने महामुकाबले से एसीसी को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन इस मैच को लेकर भी फैंस ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं, जिसकी वजह से इस मुकाबले के आधे टिकट भी अभी बिके नहीं हैं. भारत के पूर्व क्रिकेटर ने इसकी एक बड़ी वजह बताई है. उनका दावा है कि टीम इंडिया के दो दिग्गज खिलाड़ियों के इस टूर्नामेंट में न खेलने की वजह से फैंस स्टेडियम में नहीं आ रहे हैं.

आकाश चोपड़ा ने किया बड़ा दावा

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच के टिकट की बिक्री पर बड़ा दावा किया है. उन्होंने उम्मीद के मुताबिक जल्दी न बिकने टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की अनुपस्थिति को इसकी बड़ी वजह बताई. इस मुकाबले के टिकट अभी तक 50 फीसद भी नहीं बिके हैं. उन्होंने कहा कि ये दोनों खिलाड़ी फैंस को खूब आकर्षित करते हैं. उनके न खेलने की वजह से इस टूर्नामेंट पर असर पड़ा है. आकाश ने कहा, "जब विराट रणजी ट्रॉफी मैच खेलने गए थे, तब भी स्टेडियम लगभग भर गया था. उनकी अनुपस्थिति टिकटों के न भरने का एक बड़ा कारण है".

विराट और रोहित होते तो ज्यादा टिकट बिकते

आकाश चोपड़ा ने बताया कि बांग्लादेश, भारत और अफगानिस्तान एशिया कप में एक-एक मैच खेल चुके हैं, लेकिन अभी तक किसी भी स्टेडियम में ज्यादा फैंस नहीं दिखाई दिए हैं. पूर्व क्रिकेटर ने स्पष्ट किया कि ऐसा इसलिए नहीं है कि टिकट बहुत महंगे हैं या संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में लोगों को काम के दिनों में शाम के समय मैच देखने में मुश्किल हो रहा है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली खेलते बहुत ज्यादा फर्क डालते हैं. इस कमेंटेटर ने कहा कि अगर वे मौजूद होते, तो फैंस की संख्या दोगुनी हो सकती थी. अगर 5,000 लोग पहले आए थे, तो रोहित और कोहली के होने पर कम से कम 10,000 से 15,000 लोग मैच देखने आते. उन्हें व्यक्तिगत रूप से देखने का मौका कम ही मिलता है, इसलिए उनकी अनुपस्थिति काफी मायने रखती है.

धौलपुर ने रोमांचक मुकाबले में अजमेर को हराया, क्वालिफाई किया

धौलपुर. राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वावधान में अंडर 19 क्रिकेट टूर्नामेंट में एक रोमांचक मुकाबले में धौलपुर की टीम ने अजमेर को हराकर क्वालीफाई कर लिया। मुकाबला आखिरी ओवर तक चला और धौलपुर की ठीम ने शानदार प्रदर्शन किया। धौलपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। धौलपुर की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 236 रन बनाए। धौलपुर की ओर से देवांश ने सर्वाधिक 79 रन की पारी खेली। जबकि धौलपुर की गेंदबाज़ी में कप्तान रोबिन कुशवाह ने 10 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट एवं हर्ष ओर दिव्यांशु ने भी 2-2 सफलता हासिल की। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अजमेर की टीम 219 रन पर सिमट गई। धौलपुर ने 17 रन से मैच को जीत लिया। जिसमें गवित ने 51 रन ओर सैन ने 44 रन की पारी खेली एवं गेंदबाजी में मीरान, वीरेंद्र, शुभम ओर भव्या ने 2.2 विकेट लिए। धौलपुर के देवांश को उनकी शानदार 79 रन की पारी कि बदौलत ष्मैन ऑफ मैच घोषित किया गया। धौलपुर टीम के कोच दुष्यंत त्यागी ने कहा कि हमारे खिलाडिय़ों ने दबाव में भी आत्मविश्वास नहीं खोया। ये जीत हमारी मेहनत और एकजुटता का परिणाम है। इस जीत के साथ धौलपुर की टीम ने टूर्नामेंट के अगले राउंड में प्रवेश कर लिया हैं, जहां धौलपुर का मुकाबला मजबूत टीमों से होगा।

यू मुंबा ने पटना पाइरेट्स को एक पॉइंट से हराया

विशाखापट्टनम. प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन में विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में खेले गए 27वें मैच में यू मुंबा ने तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स को आखिरी मिनट तक चले मुकाबले में 40-39 से हरा दिया. हाफटाइम तक 8 अंकों से पीछे चल रही पटना टीम ने शानदार कमबैक किया, जो कबड्डी फैंस के लिए एक यादगार जंग साबित हुई. लेकिन अंत में उसे हार का सामना करना पड़ा. इस जीत के साथ मुंबा ने अपनी छह मैचों में चौथी सफलता हासिल की और पॉइंट्स टेबल में टॉप-3 में एंट्री कर ली, वहीं पटना को पांच मैचों में चौथी हार मिली.

मैच की शुरुआत ही धमाकेदार रही. पहले 10 मिनटों में मुंबा ने मजबूत डिफेंस और अनिल की रेड के दम पर 3-0 की शुरुआती बढ़त बना ली. लेकिन पटना के स्टार रेडर अयान ने तुरंत जवाब देते हुए स्कोर बराबर कर दिया. जफरदानेश ने सुपर रेड के साथ मुंबा को फिर आगे बढ़ाया,

और टीम ने पटना को सुपर टैकल की जद में ला खड़ा किया. हालांकि, अयान ने तीन लगातार रेडों से न केवल आलआउट टाला, बल्कि पटना को बड़े अंतर से गिरने से भी बचा लिया.

पहले हाफ के अंत तक मुंबा 11-9 से आगे थी. दूसरे हाफ में पटना ने वापसी की पूरी कोशिश की. लेकिन मुंबई ने एक अंक से मैच अपने नाम कर लिया. बता दें, आखिरी पांच सेकंडों में पटना की डू-ऑर-डाई रेड थी और स्कोर बराबरी पर था, लेकिन अयान सेल्फ आउट हो गए. इस तरह मुंबा ने एक अंक से जीत हासिल की.

उमर गुल का बड़ा बयान – भारत के बुमराह की वापसी पर तारीफ

नई दिल्ली. पाकिस्तान की टीम एशिया कप में भारत से 14 सितंबर को भिड़ेगी और इस टक्कर से पहले पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर अच्छा-खासा दबाव है. ये दबाव और ज्यादा तब बढ़ जाता है जब पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी अपनी ही टीम के खिलाफ बयान देते हैं. इस बार ये बयान पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज उमर गुल ने दिया है जिन्होंने अपनी ही टीम के तेज गेंदबाजों पर बड़ा हमला बोला है. उमर गुल से पीटीवी पर एंकर जैनब अब्बास ने जसप्रीत बुमराह को लेकर एक सवाल पूछा. उनका सवाल था कि आखिर इतनी चोट लगने के बावजूद बुमराह इतनी दमदार वापसी कैसे करते हैं. तो इस पर उमर गुल ने बताया कि बीसीसीआई और भारतीय खिलाड़ियों के बीच जो भरोसा है उसकी वजह से ऐसा हो पाता है.

उमर गुल ने कहा, 'पाकिस्तान के क्रिकेट सिस्टम में दिक्कत ये है कि सीनियर खिलाड़ी अपनी जगह छोड़ने से डरते हैं. चाहे वो 70 फीसदी ही फिट हों वो बस खेलने की कोशिश करते हैं. वो इसलिए क्योंकि अगर कोई दूसरा खिलाड़ी आएगा और उसने अच्छा प्रदर्शन कर दिया तो फिट होने के बाद सीनियर खिलाड़ी का ही टीम से पत्ता कट जाएगा, रोटेशन पॉलिसी हमारे कल्चर में है ही नहीं. मुझे लगता है कि एक भरोसा खिलाड़ियों में पैसा करना चाहिए और एक रोटेशन पॉलिसी होनी चाहिए. आपकी प्राथमिकता ये होनी चाहिए कि जब सीनियर खिलाड़ी फिट हो तो उसे तुरंत मैदान पर उतारा जा सके.' उमर गुल ने आगे कहा, 'खिलाड़ियों और टीम मैनेजमेंट की जिम्मेदारी बनती है कि चोटिल खिलाड़ियों का ख्याल रखा जाए. अगर खिलाड़ी को चोट लगती है तो वो समय पर बताए. डॉक्टर आपको जो सलाह देता है उसे माननी जरूरी है लेकिन खिलाड़ियों को खुद से भी पता होता है कि वो कबतक पूरी तरह फिट हो सकते हैं.'

उमर गुल ने पाकिस्तानी क्रिकेट सिस्टम पर सवाल उठाते हुए कहा कि पाकिस्तान में ठीक से रिहैब ही नहीं होता. कई खिलाड़ी हैं जिनका रिहैब सही नहीं हुआ. वहीं दूसरी ओर इंडिया के पास एक सिस्टम है. उमर गुल ने कहा कि बुमराह सिर्फ बड़े टूर्नामेंट खेलते हैं और उन्हें ज्यादा से ज्यादा आराम दिया जाता है. इसलिए बुमराह के पास वो आत्मविश्वास रहता है और वो अच्छी वापसी कर पाते हैं.

'स्पिन का जादूगर' शेन वॉर्न

बॉल ऑफ द सेंचुरी से लेकर 708 टेस्ट विकेट तक का सफर

नई दिल्ली. शेन वॉर्न ऑस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर थे, जिन्हें 'स्पिन का जादूगर' कहा गया। साल 1992 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने वाले वॉर्न ने अपनी गेंदबाजी से बल्लेबाजों को खूब छकाया। वॉर्न ने 708 टेस्ट विकेट चटकाए, जो लंबे समय तक वर्ल्ड रिकॉर्ड रहा। वॉर्न की 'बॉल ऑफ द सेंचुरी' ने पूरी दुनिया को हैरान किया। आईपीएल में बतौर कप्तान राजस्थान रॉयल्स को पहली ट्रॉफी दिलाने वाले वॉर्न मैदान के बाहर भी अपने व्यक्तित्व के चलते सुर्खियों में रहे। 13 सितंबर 1969 को विक्टोरिया में जन्मे शेन वॉर्न ने लगभग दम तोड़ती लेग स्पिन गेंदबाजी में जान फूंकी। वॉर्न अपनी उंगलियों और कलाई का इस्तेमाल करते हुए गेंद को ज्यादा से ज्यादा टर्न करवाते। इस दौरान उन्हें उछाल भी हासिल होती। शेन वॉर्न ने जनवरी 1992 में अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला मुकाबला खेला। यह मैच भारत के खिलाफ था, जिसमें वॉर्न सिर्फ एक ही विकेट ले सके। मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। दिसंबर 1992 में वॉर्न ने अपना पांचवां टेस्ट खेला, जिसमें आठ शिकार किए। यह मैच वेस्टइंडीज जैसी मजबूत टीम के खिलाफ था। यहां से वॉर्न ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी अचूक सटीकता और विविधता ने उन्हें जादुई प्रदर्शन करने वाला स्पिनर बना दिया था। जून 1993 में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इंग्लैंड का दौरा किया। एशेज सीरीज का पहला टेस्ट 3 जून से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर शुरू हो गया था। ऑस्ट्रेलियाई पारी मुकाबले के दूसरे दिन 289 के स्कोर पर सिमट गई। मैच के दूसरे दिन शेन वॉर्न को गेंदबाजी का मौका मिला, जो अपना 12वां टेस्ट खेल रहे थे।शेन वॉर्न पहली बार एशेज सीरीज में उतरे थे। उन्होंने दाएं हाथ के बल्लेबाज माइक गेटिंग को लेग ब्रेक गेंद फेंकी। गेंद लेग स्टंप से बहुत बाहर गिरी और इसके बाद टर्न होते हुए सीधे ऑफ स्टंप से टकरा गई। इससे माइक गेटिंग हैरान थे। मैदानी अंपायर भी समझ नहीं सके कि आखिर यह कैसे हुआ? शेन वॉर्न की इस गेंद को 'बॉल ऑफ द सेंचुरी' कहा गया। शेन वॉर्न अपनी बॉडी लैंग्वेज और रणनीति से बल्लेबाजों पर लगातार दबाव डालते थे। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 145 मुकाबले खेले, जिसमें 25.41 की औसत के साथ 708 विकेट निकाले। इस दौरान वॉर्न ने 37 बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट हासिल किए।शेन वॉर्न टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे मुथैया मुरलीधरन का नाम है, जिन्होंने 133 मुकाबलों में 800 विकेट अपने नाम किये। इस स्पिन गेंदबाज ने अपने वनडे करियर में 194 मैच खेले, जिसमें 25.73 की औसत के साथ 293 विकेट हासिल किए। घरेलू स्तर पर वॉर्न का प्रदर्शन बेहतरीन था। उन्होंने 301 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 1,319 विकेट, जबकि 311 लिस्ट-ए मुकाबलों में 473 विकेट अपने नाम किये। 4 मार्च 2022 को इस दिग्गज गेंदबाज ने 52 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया।

सुपर 4 में चीन से हारी भारत, फाइनल की राह मुश्किल

बीजिंग. महिला एशिया कप हॉकी 2025 के सुपर 4 स्टेज में भारतीय टीम को मेजबान चीन के खिलाफ 4-1 से हरा का सामना करना पड़ा. भारत की ओर से इकलौता गोल मुमताज खान ने 38वें मिनट में दागा, जबकि चीन के लिए जोउ मेरोंग, चेन यांग और तान जिनझुआंग ने गोल किये.

इस हार के बाद अब भारत का अगला मुकाबला 12 सितंबर को जापान के खिलाफ होगा, जहां वह फाइनल में जगह बनाने के लिए जीत की तलाश करेंगे और फिर चीन से खिताबी भिड़ंत की उम्मीद करेंगे. मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमें आक्रामक अंदाज में नजर आईं. पहले क्वार्टर में दोनों पक्षों ने सर्कल के अंदर कई मौके बनाए, लेकिन चीन ने जल्दी ही बढ़त बना ली. चौथे मिनट में भारत ने एक अच्छा बचाव किया, लेकिन रिबाउंड पर जोउ मेरोंग ने खाली गोल में आसानी से गेंद डाल दी. भारत ने बराबरी की कोशिश में कई हमले किए, लेकिन फिनिशिंग में कमी रह गई. 10वें मिनट में भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन चीनी रशर्स इस नाकाम कर दिया. दूसरे क्वार्टर में भी खेल का तेज रफ्तार वाला रहा, लेकिन कोई गोल नहीं हो सका. हाफ टाइम के आखिरी पांच मिनटों में भारत ने गति बढ़ाई और चीन पर दबाव बनाया. कब्जे को नियंत्रित करते हुए उन्होंने 27वें मिनट में दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन गोल नहीं कर सके. ब्रेक के समय भारत एक गोल से पीछे था.

शुभमन गिल बने एशिया कप में टीम इंडिया के उप-कप्तान, दिखाया दम

नई दिल्ली. शुभमन गिल को एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का उप-कप्तान बनाकर टीम इंडिया मैनेजमेंट ने जाहिर कर दिया कि हर फॉर्मेट में उन पर भरोसा जताया जा रहा है. उनके सेलेक्शन के बाद से ही कई एक्सपर्ट्स ऐसा मान रहे हैं कि इस टूर्नामेंट में वो सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज साबित हो सकते हैं. टीम इंडिया के पहले ही मैच में छोटी सी पारी से ही दिखा भी दिया कि उन पर ये भरोसा जताना किसी तरह की गलती नहीं है. मगर टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर अजय जडेजा को नहीं लगता कि गिल इस टूर्नामेंट में लगातार रन बरसा पाएंगे और इसकी उन्होंने एक खास वजह भी बताई है. एशिया कप 2025 के पहले मैच में शुभमन गिल को बड़ी पारी खेलने का मौका नहीं मिला. टीम इंडिया ने अपने पहले मैच में यूएई को सिर्फ 57 रन पर निपटा दिया था और फिर 27 गेंदों में मैच खत्म कर दिया था. मगर इतने में भी गिल ने अपना जलवा दिखा दिया. ओपनिंग के लिए उतरे भारतीय उप-कप्तान गिल ने सिर्फ 9 गेंदों में 20 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया. अपनी इस पारी में गिल ने 2 चौके और एक छक्का लगाया. खास तौर पर उन्होंने जो छक्का लगाया, उसने तो हर किसी को हैरान कर दिया. इस छोटी सी ही पारी से गिल ने अपने इरादे जाहिर कर दिए कि इस बार वो खूब रन बरसाएंगे. मगर पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय जडेजा का मानना थोड़ा अलग है. गिल की बल्लेबाजी की तारीफ करते हुए जडेजा ने कहा कि इस टूर्नामेंट के दौरान उनके रन बनाने की रफ्तार तो बढ़ेगी लेकिन इसका असर रनों पर पड़ेगा. एक शो के दौरान जडेजा ने कहा, "उस छोटी सी पारी में हमें जो भी देखने को मिला, उन्होंने अपने भरोसे को सही साबित किया है. क्योंकि जब आप 8 बल्लेबाजों के साथ खेलते हो, आपकी खुद की निरंतरता मायने नहीं रखती. आपसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होती है. जो छक्का उन्होंने लगाया, मुझे लगता है कि आगे आने वाले दिनों में उनका स्ट्राइक रेट बढ़ेगा. मगर (रन की) निरंतरता में थोड़ी गिरावट आ सकती है."

गिल के लिए 2025 अभी तक शानदार साबित हुआ है. साल की शुरुआत में उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में भी दमदार प्रदर्शन किया था और आईसीसी टूर्नामेंट में अपना पहला शतक जमाया था. इसके बाद आईपीएल में भी उन्होंने 600 से ज्यादा रन बरसाए थे. इसके बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम का नया कप्तान बनाया गया और पहले ही दौरे पर उन्होंने इंग्लैंड में 754 रन बनाकर इतिहास रच दिया. अब उन्हें टी20 टीम का भी उप-कप्तान बना दिया गया है और इस फॉर्मेट में लौटते ही उन्होंने अच्छी शुरुआत की है.

किसान-मृतकों के परिजनों को मुआवजा

> सीएम मान ने क्या-क्या किया ऐलान?

चंडीगढ़.

पंजाब में बाढ़ ने हाहाकार मचाया है. हर तरफ पानी के कारण लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा. भारी बारिश से पूरी फसल चौपट हो चुकी है.

इसके अलावा लोगों के घर-मकान और पशु भी इस बाढ़ में बह गए हैं. केंद्र की तरफ से पंजाब को 1600 करोड़ रुपये का राहत पैकेज दिया गया है. इसके बाद अब सीएम भगवंत मान ने मुआवजे का ऐलान किया है. मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पंजाब के सभी जिलों के डीसी और सीनियर अधिकारियों के साथ आज बैठक की, जिन जिलों में पानी नहीं आया है उन जिलों के डीसी से भी वहां के हालात को लेकर चर्चा की है.

किसानों की फसल की बर्बादी को लेकर सीएम ने 20000 रु. प्रति एकड़ मुआवजे का ऐलान किया है.

सीएम ने जिला कलेक्टरों को आदेश दिए हैं, जहां पानी उतर चुका है. वहां पर जल्द से जल्द स्पेशल गिरदावरी कराकर किसानों के खेतों और घरों के नुकसान का आंकलन किया जाए. सीएम ने कहा कि जल्द से जल्द मुआवजा जारी किया जाएगा.सीएम ने कहा कि बाढ़ के दौरान 55 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है. उनमें से 40 लोगों के परिवारों को मुआवजा मिल चुका है. अगले 40 दिनों में अफसर गांवों में जाकर घरों और खेतों के नुकसान के मुआवजे की रिपोर्ट तैयार करेंगे और दिवाली तक हम सबको मुआवजा दे देंगे. उन्होंने कहा कि पंजाब को संकट का सामना करना आता है. पंजाब की जनता ने भी इस मुश्किल घड़ी में बाढ़ ग्रस्त लोगों की काफी मदद की है. पंजाब ने पूरे देश को बता दिया कि हमें आपदा और संकट से निपटना आता है. अगर कोई अफसर किसी तरह से मुआवजे के फॉर्म गलत भरेगा या कोई बेईमानी करेगा तो उसको माफ नहीं किया जाएगा

घरों के नुकसान का भी मिलेगा मुआवजा

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि लोगों के घरों का जो नुकसान हुआ है उसकी भी भरपाई की जाएगी. एसडीआरएफ कफन सिर्फ 6800 रु. के नुकसान की भरपाई घरों के नुकसान के लिए करता है, लेकिन हम उसे बढ़ाकर 40000 रु. देंगे. पशुओं के बह जाने पर 37500 रुपए का मुआवजा दिया जाएगा. बाकी पशुओं के बह जाने पर भी हम नियमानुसार पैसा बढ़ाकर लोगों की मदद करेंगे.

वैष्णो देवी की यात्रा होगी फिर से शुरू

> लैंडस्लाइड के बाद बंद कर दिया गया था मार्ग

श्रीनगर.

जम्मू-कश्मीर में मां वैष्णो देवी की पवित्र यात्रा पिछले 17 दिनों से बंद पड़ी है. लेकिन अब श्रद्धालु एक बार फिर माता के दरबार में हाजिरी लगा सकेंगे.

14 सितंबर से फिर से यात्रा शुरू होने जा रही है. लंबे इंतजार के बाद भक्तों में उम्मीद जगी है कि अब उन्हें माता रानी के दर्शन का अवसर मिल सकेगा.

26 अगस्त को भारी बारिश के चलते त्रिकुटा पहाड़ियों पर बड़ा भूस्खलन हुआ था. इस हादसे में 34 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे. हादसे की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत वैष्णो देवी की यात्रा को स्थगित कर दिया था.

तभी से यह मार्ग पूरी तरह बंद है. इस वजह से हजारों श्रद्धालु कटरा में अटके हुए हैं और यात्रा शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. कई भक्तों का कहना है कि वे तभी अपने घर लौटेंगे जब माता के दर्शन कर पाएंगे.

यात्रा बंद होने से सिर्फ श्रद्धालु ही प्रभावित नहीं हुए हैं, बल्कि स्थानीय लोगों की रोजी-रोटी पर भी गहरा असर पड़ा है.

कटरा में स्थित होटल, गेस्ट हाउस और ढाबों में सन्नाटा पसरा हुआ है. रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले छोटे व्यापारी, पुजारी और दुकानदार भी आमदनी से वंचित हैं.

इतना ही नहीं, घोड़े-खच्चर चलाने वाले, पिट्ठू और पालकी ढोने वाले मजदूर भी बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं. उनका कहना है कि यात्रा मार्ग बंद होने से उनकी आमदनी पूरी तरह रुक गई है और अब परिवार का पालन-पोषण करना मुश्किल हो रहा है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि आम तौर पर यहां हर मौसम में लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं और आसपास का इलाका हमेशा चहल-पहल से भरा रहता है.

लेकिन इस बार हालात बिल्कुल अलग हैं. फिलहाल भक्त और स्थानीय लोग उम्मीद लगाए बैठे हैं कि मौसम और हालात जल्द ही अनुकूल होंगे और मां वैष्णो देवी की यात्रा फिर से शुरू हो जाएगी.

सबकी एक ही प्रार्थना है, जल्द से जल्द माता रानी के दर्शन का मार्ग खुल जाए और कटरा की रौनक वापस लौट आए.

गायब सीटें, नदारद स्टैंड और टूटी पिच

> ग्रीन पार्क स्टेडियम जहां होना है इंटरनेशनल मैच

नई दिल्ली.

हमारे देश में क्रिकेट को एक खेल के तौर पर नहीं बल्कि एक त्योहार के रूप में लिया जाता है. क्रिकेट की दीवानगी इस देश में इस कदर है कि यहां पर क्रिकेट खिलाड़ियों को भगवान और क्रिकेट के मैदान को मंदिर से कम नहीं समझते. हालांकि समय का चक्र और सरकारों की उदासीनता कई बार इन मंदिरों के इतिहास को विलुप्त कर देती हैं या फिर यह कह सकते हैं कि इसका इतिहास बेरुखी की वजह से धीरे-धीरे विलुप्त हो जाता है. कुछ ऐसी ही कहानी है उत्तर प्रदेश के पहले और प्रदेश के इकलौते टेस्ट स्टेडियम ग्रीन पार्क की. आज हम आपको बताते हैं इस क्रिकेट स्टेडियम का गौरवमई इतिहास और इसकी खत्म होती चमक

ग्रीन पार्क का इतिहास देश की आजादी से पहले का है. बात है साल1945 की... जब इस क्रिकेट स्टेडियम को कानपुर में तैयार किया गया था. इसके नाम के पीछे भी अलग कहानी है. यहां पर अंग्रेजों की एक मैडम ग्रीन घुड़सवारी करने आया करती थीं. जब यह स्टेडियम बनकर तैयार हुआ तो इसका नामकरण उनके ही नाम पर कर दिया गया, ग्रीन पार्क. कानपुर में यह क्रिकेट स्टेडियम गंगा के किनारे बना हुआ है. इसकी हरी भरी घास वाली आउटफील्ड की चर्चा ना सिर्फ देश में बल्कि विदेशी क्रिकेटर्स तक मशहूर थी. यहां पर पहला टेस्ट मैच 1952 में खेला गया और ग्रीन पार्क देश के उन चुनिंदा टेस्ट सेंटर में शुमार हो गया जहां पर पांच दिवसीय क्रिकेट मैच खेला जा सकता था. आज भी अगर बात करें तो यह प्रदेश का इकलौता टेस्ट सेंटर है.

ग्रीन पार्क मैदान का न केवल लंबा इतिहास है बल्कि ये अपने अंदर कई खूबियां भी समेटे हुए है. एक वक्त था जब सबसे ज्यादा चर्चा यहां के स्कोर बोर्ड और काली मिट्टी के पिच की होती थी. सबसे पहले बात करें मानव द्वारा संचालित स्कोरबोर्ड की. इस स्टेडियम में 1957 के दशक में मानव संचालित स्कोरबोर्ड की स्थापना की गई थी. यह स्कोरबोर्ड दुनिया का सबसे बड़ा मानव संचालित स्कोरबोर्ड था.

इसके साथ ही यहां की पिच को बनाने में अभी तक उन्नाव की काली मिट्टी का इस्तेमाल किया जाता था. यहां की मिट्टी क्रिकेट पिच के मुताबिक है. इसमें क्ले 60 से 70 प्रतिशत है. जो पिच को बेहतर बनाने के अनुकूल है. यहां की मिट्टी ऐसी है जिसके कारण पिच जल्दी फटती है.

इस मिट्टी की पिच बल्लेबाजों के साथ गेंदबाजों की भी मददगार रहती है. अब इस मिट्टी की उपलब्धता भी खत्म हो गई है इसलिए अब ग्रीन पार्क की पिच बनाने के लिए उरई, जालौन, झांसी, वाराणसी की मिट्टी का इस्तेमाल किया जाने लगा है.

यूसुफ पठान के गुजरात घर पर बुलडोजर का खतरा

गांधीनगर. भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व धाकड़ बल्लेबाज और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से लोकसभा सांसद यूसुफ पठान के गुजरात वाला बंगले पर बुलडोजर चल सकता है. गुजरात हाईकोर्ट ने अपने फैसले में पूर्व क्रिकेटर यूसुफ की वडोदरा जिले की तंदलजा इलाके में जमीन विवाद से जुड़ी याचिका खारिज कर दी. कोर्ट का कहना है कि उन्होंने जिस प्लॉट पर कब्जा जमाया है, वह नगर निगम की संपत्ति है, इसे खाली करना ही होगा. कोर्ट के फैसले के बाद उनकी संपत्ति पर बुलडोजर चलने का खतरा बढ़ गया है. जमीन से जुड़ा यह विवाद कई साल पुराना है. भारतीय जनता पार्टी से जुड़े पूर्व पार्षद विजय पवार ने यह आरोप लगाया था कि वडोदरा नगर निगम ने साल 2012 में यूसुफ पठान को एक प्लॉट आवंटित करने का प्रस्ताव पारित किया था और इसे राज्य सरकार को भेज भी दिया गया. लेकिन, साल 2014 में गुजरात सरकार ने इस प्रस्ताव को खारिज कर

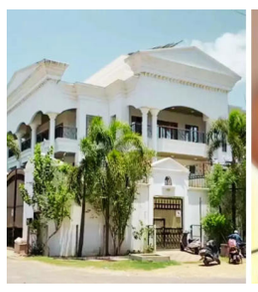

दिया. बावजूद इसके यूसुफ ने कथित तौर पर उस प्लॉट पर कब्जा कर लिया. वहां चारदीवारी के साथ मवेशियों के लिए शेड भी बना दिया. कहा जा रहा है कि पूर्व क्रिकेटर हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं.

अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए पहचान रखने वाले यूसुफ पठान ने पिछले साल लोकसभा चुनाव से पहले क्रिकेट के इतर राजनीति में कदम रखा. उन्होंने 2024 में पश्चिम बंगाल की बरहामपुर लोकसभा सीट से अपनी किस्मत आजमाई और कांग्रेस के दिग्गज नेता अधीर रंजन चौधरी को कड़े मुकाबले में हराकर पहली बार संसद पहुंचने में कामयाब रहे. चुनाव के लिए दाखिल अपने हलफनामे में युसूफ पठान ने अपनी संपत्ति के बारे विस्तार से जानकारी दी थी.

चुनावी हलफनामे के अनुसार, युसूफ पठान के पास 1,41,977 रुपये (मार्च 2023) कैश के रूप में है. जबकि इस अवधि के दौरान पत्नी के पास 15,678 रुपये हैं. तब उनके पास कुल 24.06 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति थी, जबकि उनकी पत्नी के पास 52 हजार से अधिक की संपत्ति है. साथ ही उन्होंने बताया कि परिवार और दोस्तों को एडवांस में पैसा भी दिया है. केतन पटेल को 1 करोड़ रुपये के अलावा समेत 12 लोगों को उधार पर पैसा दिया है.

तेजस एमके-1ए के लिए एचसीएल को मिला तीसरा अमेरिकी इंजन

> वायुसेना को अक्टूबर में होगी डिलीवरी

नई दिल्ली.

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को अमेरिका से तीसरा जीई-404 इंजन मिल गया है. यह इंजन हल्के लड़ाकू विमान (एचएएल) तेजस-मार्क 1ए के लिए है.एचएएल का कहना है कि सितंबर के अंत तक एक और इंजन मिल जाएगा.एचएएल के आधिकारिक सूत्रों ने पुष्टि की है कि भारतीय वायुसेना को अक्टूबर 2025 में दो तेजस-मार्क 1ए लड़ाकू विमान सौंपे जाएंगे. हालांकि यह डिलीवरी लगभग दो साल की देरी से हो रही है. डिलीवरी से पहले सितंबर माह में इन विमानों के अहम फायरिंग टेस्ट होंगे. परीक्षणों के दौरान तेजस-मार्क 1ए से अस्त्र बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइल, आसराम शॉर्ट रेंज मिसाइल और लेजर गाइडेड बम दागे जाएंगे. इससे पहले हुए ट्रायल में एक बार सफलता और एक बार असफलता मिली थी. उसके बाद एचएएल ने सॉफ्टवेयर में बदलाव किए हैं. अब इन परीक्षणों की सफलता के बाद ही विमानों को भारतीय वायुसेना को सौंपा जाएगा. अमेरिकी कंपनी जीइ अगले साल मार्च तक तेजस के लिए 10 इंजन और दिसंबर 2026 तक 20 और इंजन उपलब्ध कराएगी। इससे आने वाले महीनों में वायुसेना को तेजस की डिलीवरी की गति और बढ़ने की संभावना है. फाइटर स्क्वॉड्रन की कमी भारतीय वायुसेना के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई है. वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के मुताबिक, वायुसेना को 42 स्क्वाड्रन की जरूरत है, लेकिन फिलहाल संख्या घटकर 31 पर आ गई है. 26 सितम्बर को मिग-21 की दो स्क्वॉड्रन रिटायर होने के बाद यह संख्या घटकर सिर्फ 29 रह जाएगी. पाकिस्तान और चीन से संभावित टू-फ्रंट वॉर की स्थिति को देखते हुए यह चिंता और गहरी हो जाती है.

पटाखों पर बैन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी

नई दिल्ली.

प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी सामने आई है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा कि अगर एनसीआर के शहरों को स्वच्छ हवा का हक है, तो दूसरे शहरों के लोगों को क्यों नहीं? जो भी नीति होनी चाहिए, वह पैन इंडिया स्तर पर होनी चाहिए। हम सिर्फ दिल्ली के लिए नीति नहीं बना सकते, क्योंकि वहां देश का एलीट वर्ग है। मैं पिछले साल सर्दियों में अमृतसर गया था और वहां प्रदूषण दिल्ली से भी बदतर था। अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है, तो पूरे देश में प्रतिबंध लगना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पटाखों की बिक्री, भंडारण, परिवहन और निर्माण पर प्रतिबंध लगाने वाले अपने 3 अप्रैल के आदेश के खिलाफ एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कही। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध के खिलाफ एक याचिका पर सीएक्यूएम को भी नोटिस जारी किया और दो हफ़्ते के भीतर जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने यह भी कहा कि पिछले छह महीनों में इस अदालत द्वारा पारित कई आदेश दिल्ली में वायु प्रदूषण के अत्यधिक उच्च स्तर के कारण व्याप्त भयावह स्थिति को दर्शाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'स्वास्थ्य का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 का एक अनिवार्य हिस्सा है, और प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने का अधिकार भी इसका एक अभिन्न अंग है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि जब तक अदालत इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाती कि 'तथाकथित' हरित पटाखों से होने वाला प्रदूषण न्यूनतम है, तब तक पिछले आदेशों पर पुनर्विचार करने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

मेट्रो से पहुंचाया हार्ट, 20 मिनट में पहुंचे अस्पताल

बेंगलुरु.

कर्नाटक के बेंगलुरु में हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए डॉक्टरों ने नया तरीका अपनाया और मेट्रो के जरिए हार्ट को एक जगह से दूसरी जगह पर ले जाया गया. डॉक्टरों ने ट्रैफिक से बचने और समय पर हार्ट पहुंचाने के लिए ये तरीका अपनाया. इस तरह दूसरी बार मेट्रो के जरिए सफलतापूर्वक हार्ट ट्रांसपोर्ट किया गया, जहां डॉक्टरों की पूरी टीम मेट्रो से हार्ट लेकर अस्पताल पहुंची. गुरुवार, 11 सितंबर को हार्ट को बेंगलुरु के यशवंतपुर के स्पर्श अस्पताल से शेषाद्रिपुरम के अपोलो अस्पताल ले जाया गया. सबसे पहले इसे एम्बुलेंस से स्पर्श अस्पताल से यशवंतपुर इंडस्ट्री मेट्रो स्टेशन तक लाया गया. इसके बाद मेट्रो से संपीगे रोड मेट्रो स्टेशन पहुंचाया गया. वहां से एम्बुलेंस के जरिए हार्ट को अपोलो अस्पताल ले जाया गया. इस दौरान का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि डॉक्टर्स की पूरी टीम हार्ट को मेट्रो से लेकर जा रही है. इस तरह हार्ट ट्रांसपोर्ट करने के लिए मेट्रो के एक पूरे कोच को रिजर्व किया गया था. मेट्रो के उसी पैसेंजर कोच को रिजर्व किया गया, जो हमेशा की तरह चल रही थी. यशवंतपुर इंडस्ट्री से रात 11 बजकर 1 मिनट पर रवाना हुई मेट्रो रात 11 बजकर 21 मिनट पर संपीगे रोड मेट्रो स्टेशन पहुंची. यशवंतपुर इंडस्ट्री और संपीगे मेट्रो स्टेशन के बीच सात मेट्रो स्टेशन हैं. ऐसे में यशवंतपुर इंडस्ट्री से संपीगे रोड मेट्रो स्टेशन पहुंचने में सिर्फ 20 मिनट लगे. इस दौरान मेट्रो सिक्योरिटी ऑफिसर और डॉक्टर्स मौजूद रहे, जिनकी निगरानी में हार्ट को ट्रांसपोर्ट किया गया. बेंगलुरू में अक्सर जाम की समस्या देखने को मिलती है. ऐसे में महज 20 मिनट में हार्ट को एक अस्पताल से समय से दूसरे अस्पताल पहुंचा दिया गया. बेंगलुरू में दूसरी बार इस तरह से हार्ट ट्रांसपोर्ट किया गया, जब डॉक्टर्स मरीज की जान बचाने के लिए मेट्रो से दिल लेकर दौड़े.

किर्क की हत्या के 1 दिन बाद डांस करने पर ट्रोल हुए ट्रंप

>लोगों ने की हूटिंग

वॉशिंगटन डीसी.

अमेरिका के राइटविंग एक्टिविस्ट चार्ली किर्क की हत्या को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप ने भले ही गहरा शोक जाहिर किया हो और हत्यारे को सख्त सजा दिलाने का वादा किया हो, लेकिन वह एक वजह से उन्हें इस मामले में जबरदस्त आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को न्यूयॉर्क में यांकीज़ के मैच में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान ट्रंप अपनी चेयर पर बैठे-बैठे 'वायएमसीए ' गाने पर डांस करने लगे। कई बार उन्होंने खड़े होकर भी मूवमेंट किया। चार्ली किर्क की हत्या के दूसरे ही दिन ट्रंप के इस कृत्य को लोगों ने गलत माना और वहीं उनकी हूटिंग शुरू कर दी। हालांकि कुछ अन्य लोगों ने ट्रंप की डांसिंग को एंजॉय भी किया।

डोनाल्ड ट्रंप जैसे ही वाईएमसीए गाने पर झूमते दिखे, वहां मौजूद लोगों ने उनकी हूटिंग शुरू कर दी। इसके बाद यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया और लोगों ने खूब ट्रोल किया।

क्योंकि यह सब उस वक्त हुआ जब उनके करीबी सहयोगी चार्ली किर्क की हत्या हुए सिर्फ एक दिन हुआ था। यहां ट्रंप हमेशा की तरह अपने सिग्नेचर सूट और लाल टाई में दिखे और यांकीज़ टीम के अध्यक्ष रैंडी लेविन के बगल में बैठकर पूरे मैच के दौरान उनसे बातचीत करते रहे। कुछ समय के लिए उन्हें अकेले भी बैठे हुए देखा गया।

हालांकि न्यूयॉर्क यांकीज़ टीम ने चार्ली किर्क को श्रद्धांजलि देते हुए मैच शुरू होने से पहले एक मिनट का मौन रखा। सोशल मीडिया पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया सामने आ रही है। ट्रंप के इस खुशमिज़ाज मूड को लेकर सोशल मीडिया पर काफी लोगों ने खुशी भी व्यक्त की।

जबकि चार्ली के चाहने वालों में भारी नाराजगी देखी गई। कुछ लोगों ने कहा कि शायद वे देशवासियों का मनोबल बनाए रखने की कोशिश कर रहे थे, जो 9/11 की बरसी और किर्क की हत्या से सदमे में हैं। कई यूज़र्स ने ट्रंप को संवेदनहीन करार दिया और कहा कि एक दिन पहले दोस्त की हत्या के बाद उन्हें डांस नहीं करना चाहिए था।

गरीबों में बांट दिए कीड़े वाले सरकारी चावल

> बदबू की शिकायत भी नहीं सुनी गई

देहरादून.

उत्तराखंड के उधम सिंह नगर के किच्छा क्षेत्र से सरकारी व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाली बड़ी लापरवाही सामने आई है. यहां खुर्पिया फार्म स्थित सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान पर ग्रामीणों को जो चावल वितरित किया गया. उसमे सुंडियां और कीड़े निकले. गरीब जनता के हिस्से में खराब चावल जाने से न सिर्फ ग्रामीणों में रोष है, बल्कि सरकारी योजनाओं पर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना काल के दौरान गरीब जनता को राहत देने के लिए 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन योजना की शुरुआत की थी. तब से लगातार देशभर में राशन कार्डधारकों को गेहूं, चावल और अन्य खाद्यान्न सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों के जरिए दिए जा रहे हैं, लेकिन किच्छा क्षेत्र में जब लोगों को कीड़ों और सुंडियों से भरा चावल मिला तो लोगों का गुस्सा फूट पड़ा.

ग्रामीणों का कहना है कि सस्ते गल्ले की दुकान से जो चावल उन्हें मिला, वह बिल्कुल खाने लायक नहीं था. कई लोग बिना देखे ही घर चावल ले गए, लेकिन जब बोरियां खोली गईं तो उनमें से दुर्गंध आने लगी और कीड़े निकले.

पूनम देवी नाम की महिला ने बताया, "हमें खराब चावल मिला. उसमें सुंडियां और कीड़े थे. गरीब लोग मजबूरी में यही चावल खाते हैं, लेकिन अब बच्चों और परिवार की सेहत पर खतरा मंडरा रहा है."

वहीं संतोषी देवी ने सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा, "गरीबों को ही खराब राशन देकर परेशान किया जा रहा है. अधिकारी और बड़े लोग तो अच्छा खाना खाते हैं, लेकिन गरीबों को जहर वाले चावल दिया जा रहा है." ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता देख खाद्य पूर्ति अधिकारी भरत राणा मौके पर पहुंचे. उन्होंने तुरंत खराब चावल वापस लेने की कार्रवाई की.

कार्रवाई की मांग

भरत राणा ने कहा, हमें जानकारी मिली कि लोगों को खराब चावल बांटा गया है. मौके पर पहुंचकर चावल वापस लिया गया और मामले की जांच शुरू कर दी गई है. दोषी पाए जाने पर कार्रवाई होगी. ग्रामीणों का आरोप है कि जिन लोगों ने अगले दिन खराब चावल लौटाने की कोशिश की. उनकी शिकायत नहीं सुनी गई और दुकानदार ने खराब चावल वापस लेने से इनकार कर दिया. इससे लोगों का गुस्सा और भड़क गया. ग्रामीणों की मांग है कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो और आगे से उन्हें गुणवत्तापूर्ण राशन मिले. प्रशासन ने जांच का भरोसा दिलाया है.